वर्ष-13//अंक-5// नवम्बर // 2024

ISSN 2454–5805

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

“मजबूत सुशासन का नया सवेरा”

→16

सपनों की ऊंची उड़ान

→20

महायुति का दबदबा रहा कायम तो सीएम बनेंगे फडणवीस!

→24

महतारी वंदन योजना से दीपावली की खुशियां हुई दोगुनी

www.aamaadmi.in

eyes events & advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-13//अंक-5// नवम्बर //2024

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी

सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी

रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव

कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक

क्रिएटिव डिजाइनर : जितेन्द्र साहू

मैग्ज़ीन डिज़ाइनर : दीपिका पॉल

एडमिनिस्ट्रेशन : कुसुम श्रीवास्तव

अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह

ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास,
अग्रसेन धाम के पीछे, वी.आई.पी.रोड, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-4044047

ईमेल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

विष्णु के सुशासन में आदिवासियों का विकास

छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय सरकार ने आदिवासी समुदाय की विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों को वरीयता दी है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में समग्र विकास का स्वप्न साकार हो रहा है। प्रदेश के दूरस्थ इलाकों में जिस तरह स्वास्थ्य, सड़क, संचार और सुरक्षा नेटवर्क को मजबूती दी जा रही है, उसका सर्वाधिक लाभ आदिवासी वर्ग को मिल रहा है। इससे जहां आदिवासी समाज के जीवन स्तर में गुणवत्ता का संचार हो रहा है, वहीं सुशासन की इस बयार से प्रदेश में वामपंथी उग्रवाद की समस्या को परास्त करने में भी मदद मिल रही है। इन इलाको में केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पी.एम.जनमन योजना और राज्य सरकार की नियद नेल्ला नार योजना गेम चेंजर साबित हो रही है। 06

स्वास्थ्य के क्षेत्र में वरदान साबित हो रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिर

19

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य बजट को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

बढ़ती उम्र के साथ आपकी फर्टिलिटी पर क्या होता है असर

22

आपने अक्सर बड़े बुजुर्गों से सुना होगा कि शादी और बच्चे सही समय पर कर लेने चाहिए नहीं तो बाद में काफी परेशानी होती है।

नाइट कैम्प और एडवेंचर पर्यटकोंका मोह रहा मन

26

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सार्थक पहल से जशपुर जिला पर्यटन के क्षेत्र में नया रूप ले रहा है। इसके साथ ही व्यापक स्तर पर एडवेंचर और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसाल, यहां विकास के नये कीर्तिमान बन रहे: उपराष्ट्रपति धनखड़

32

राज्य अलंकरण समारोह पर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सबकी भागीदारी की जरूरत है।

करैत ने डसा, मरणासन्न मासूम को मिला नया जीवन

34

तीन तस्वीरों से समझा जा सकता है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार के प्रयास कैसे लोगों के जीवन में संजीवनी का काम कर रहे हैं।

नोरा फतेही ने 'दिलबर' गाने के मेकर्स को लेकर किए खुलासे

38

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही कई लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में अपने डांस सीक्वेंस से तहलका मचा चुकी हैं।

सुशासन के डगर में खुशहाली की नई उजास

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

सब संभव हो जाता है जब मुखिया की सोच और मंशा बेहतर हो तो। दरअसल, सुशासन ऐसा है कि जिसमें हर काम संभव हो, जनहित के कार्य में किसी प्रकार की दिक्कतें न हो। हर डगर मजबूत हो। छत्तीसगढ़ में जनहित के कई ऐसे कार्य बेहतर तो हो रहे हैं, इस वजह से पब्लिक सपोर्ट भी बेहतर मिल रहा है सरकार को। हालांकि कुछ चीजों में अब भी सुधार की गुंजाइश है, क्योंकि उसके लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। सुशासन के खुशहाल डगर के लिए सरकार ने 13 लाख अन्नदाताओं को बकाया बोनस दिया, देश में सर्वाधिक 3100 प्रति क्विंटल की कीमत से धान खरीदी, 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपए साथ ही हर गरीब परिवारों के आशियाने का सपना भी साकार हो रहा है। 18 लाख से अधिक परिवारों को पीएम आवास योजना का लाभ दिया जा रहा है।

युवाओं के स्वर्णिम भविष्य के लिए नौकरियों के अवसर प्रदान किए जा रहे है और इतना ही नहीं, तीर्थ दर्शन भी आसान हो रहा है। साल में 20 हजार से अधिक लोगों को श्री राम लला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। सरकार की मंशा के अनुरूप आदिवासी भाई-बहनों के जीवन में भी परिवर्तन आ रहा है। पहली बार 5500 रूपए प्रति मानक बोरा की दर से पारिश्रमिक प्राप्त हो रहा है। इससे 12 लाख से अधिक परिवारों का जीवन संवर रहा है। बच्चों के लिए भी सरकार बेहतर काम कर रही है, जैसे कि अपनी बोली में पढ़ाई करा रही है। निवेश एवं रोजगार के नए-नए अवसर खुल रहे है और नई औद्योगिक नीति का असर यह है कि इससे औद्योगिक क्षेत्रों में गति आएगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ने जा रहे है। हर परिवार को 5 वर्षों तक निःशुल्क चावल देने का ऐलान किया गया है। बस्तर को सुरक्षित और विकास की गति में लाने के लिए भी अहम प्रयास किए जा रहे है। सुरक्षा कैंपों की स्थापना की जा रही है। आधुनिक शिक्षा का विस्तार हो रहा है, इन क्षेत्र में क्रांति आ रही है। पीएम जनमन योजना का भी कारगर असर दिखाई दे रहा है। इसी ध्येय वाक्य के साथ छत्तीसगढ़ को संवारने का कदम उठाया गया है।

शान और नीति मोहन के गाने में थिरके दर्शक

- **सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति से कलाकारों ने दिल जीत लिया दर्शकों**
- **राज्योत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने बांधा समां**

राज्योत्सव में शान और नीति मोहन के बेहतरीन परफॉर्मेंस से दर्शक झूम उठे और उनके गाए गाने का खूब आनंद लिया। नवा रायपुर के मेला ग्राउंड में ख्याति प्राप्त कलाकारों ने रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत में रिखी क्षत्रीय की टीम द्वारा 12 लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मोहन चौहान एवं साथी द्वारा आदिवृंदम सुनील सोनी एवं टीम द्वारा क्षेत्रीय नृत्य संगीत तथा विद्या वर्चस्वी द्वारा नाम रामायण की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही मल्लखंभ (इंडियाज गॉट टैलेंट) तथा बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक शांतनु मुखर्जी (शान) ने शानदार और मनमोहक प्रस्तुतियां दी। जिसका राजधानी वासियों ने लुत्फ उठाया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

राज्योत्सव के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ी गीतों की शानदार प्रस्तुति लोक कलाकारों ने दी। आरु साहू और राजेश अवस्थी ने ददरिया गीतों के साथ उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं मुंबई से आईं नीति मोहन ने शानदार गीतों की प्रस्तुति कर समां बांध दिया। शाम को राज्योत्सव का रंग गौरा-गौरी गीत से आरंभ हुआ। इसके बाद तो छत्तीसगढ़ के लोकगीतों की सुंदर श्रृंखला सज गई। लोकरंग राज्योत्सव परिसर पर पूरी तरह से छलक गये। गौरा-गौरी गीत के बाद राउत नाचा की रंगारंग प्रस्तुति हुई और राऊत नाचा के जोश से पूरा उत्सव स्थल सराबोर हो गया। इसके बाद फाग गीतों के रंग छलके। जब मुख मुरली बजाय का प्रदर्शन हुआ तो पूरा राज्योत्सव स्थल श्याम रंग से रंग गया। इसके बाद द्रूतगामी पंथी नृत्य का आयोजन हुआ।

आरू साहू और राजेश अवस्थी जैसे ही मंच पर आये, दूर तक तालियां गूंजती रही। जब इन कलाकारों ने ददरिया की प्रस्तुति दी तो लोक रंग का जादू पूरे उत्सव में चढ़ गया। लोकप्रिय गीत बटकी म बासी चुटकी म नून गावत हव ददरिया कान देके सुन की प्रस्तुति ने पूरे माहौल में तरंग घोल दी। इसके बाद वालीवुड पार्श्व गायिका नीति मोहन प्रस्तुति देने आई। उन्होंने जय जोहार के अभिवादन के साथ सुमधुर गीतों की लड़ी प्रस्तुत की। चली रे जुनून का लिये कतरा, जिया रे जिया रे जैसे गीतों का प्रदर्शन कर उन्होंने पूरे माहौल में संगीत के रस घोल दिये। आज राज्योत्सव के दूसरे दिन लोकगीतों के साथ भारतीय सिनेमा के अद्भुत गीत-संगीत के जो सुर सुनने लोगों को मिले, उसने राज्य स्थापना दिवस की खुशियों में चार चांद लगा दिये।

विष्णु के सुशासन में आदिवासियों का विकास

छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय सरकार ने आदिवासी समुदाय की विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुददों को वरीयता दी है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में समग्र विकास का स्वप्न साकार हो रहा है। प्रदेश के दूरस्थ इलाकों में जिस तरह स्वास्थ्य, सड़क, संचार और सुरक्षा नेटवर्क को मजबूती दी जा रही है, उसका सर्वाधिक लाभ आदिवासी वर्ग को मिल रहा है। इससे जहां आदिवासी समाज के जीवन स्तर में गुणवत्ता का संचार हो रहा है, वहीं सुशासन की इस बयार से प्रदेश में वामपंथी उग्रवाद की समस्या को परास्त करने में भी मदद मिल रही है। इन इलाको में केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पी.एम.जनमन योजना और राज्य सरकार की नियद नेल्ला नार योजना गेम चेंजर साबित हो रही है।

छत्तीसगढ़ की लगभग 3 करोड़ आबादी में एक तिहाई जनसंख्या आदिवासी समुदाय की है। इन समुदायों के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए साय सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा पर विशेष फोकस किया गया है। इसके अलावा केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को उन तक पहुंचाने के लिए नए-नए प्रयास किए जा रहे हैं। आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं से नया वातावरण बन रहा है। साय सरकार ने पिछले 10 माह में इन सभी मुददों पर काम किया है। मुददा चाहे आदिवासी समुदाय के आवास, पेयजल, विद्युत या सड़क सहित सभी बुनियादी जरूरतों पर तेजी से काम किया जा रहा है। राज्य शासन की नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना जनकल्याण का अभिनव उपक्रम साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास के 5 किमी के दायरे में आने वाले 96 गांवों का चयन कर शासन के 17 विभागों की 53 योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण मिलेगा। शेष जिलों के विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा। ब्याज अनुदान के लिए शिक्षा ऋण की अधिकतम सीमा 4 लाख रूपए रखी गई है। आदिवासी क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए सुरक्षा और विकास को मूल मंत्र बनाया है, इसके सार्थक परिणाम दिख रहे हैं। इन इलाकों में रहने वाले लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं भी दी जा रही है। बीते 10 महीनों के दौरान मुठभेड़ों में 195 माओवादियों को ढेर किया गया। 34 फारवर्ड सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई। निकट भविष्य में दक्षिण बस्तर एवं माड़ में रि-डिप्लायमेंट द्वारा 30 नए कैम्पों की स्थापना प्रस्तावित है।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सहायता

राज्य में गरीब परिवारों को शहीद वीर नारायण सिंह विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 20 लाख रूपए की राशि गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य से समृद्धि की राह पर आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी क्षेत्रों के अस्पतालों को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 68 लाख गरीब परिवारों को 05 साल तक मुफ्त राशन देने का निर्णय लिया है, इसके लिए बजट में 3400 करोड़ रुपए का प्रावधान है। इसका लाभ आदिवासी समुदाय को भी मिल रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए पीएम जनमन योजना के तहत आदिवासी बसाहटों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तेजी काम हो रहा है। राज्य में विशेष रूप से पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों के विकास हेतु 20 करोड़ का प्रावधान है। इन क्षेत्रों में 57 मोबाईल मेडिकल यूनिट के संचालन हेतु अनुपूरक में 2 करोड़ 72 लाख का प्रावधान है। पीव्हीटीजी के विद्युतीकरण हेतु 3 करोड़ 76 लाख का अतिरिक्त प्रावधान है।

आदिवासी समुदाय की बसाहट ज्यादातर वनांचल

छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय की बसाहट ज्यादातर वनांचल क्षेत्रों में है। इन क्षेत्रों में सड़क, नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा भी भारत माला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर से विशाखापट्नम तक ईकोनॉमी कारिडोर बनाया जा रहा है। इसका सीधा फायदा भी आदिवासी इलाकों को मिलेगा। केन्द्र सरकार द्वारा नगर नार में देश का सबसे बड़ा इस्पात संयंत्र भी शुरू किया गया है, इससे बस्तर अंचल के विकास को नई गति मिली है। राज्य के आदिवासी क्षेत्रों और अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ानेके लिए मुख्यमंत्री ने रायगढ़-धरमजयगढ़-मैनपाट-अंबिकापुर-उत्तरप्रदेश सीमा तक कुल 282 किमी तक के मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की है। यह मार्ग प्रदेश के चार जिलों से होकर गुजरता है एवं धार्मिक नगरी अयोध्या से छत्तीसगढ़ राज्य को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। इस मार्ग के लिए भारत सरकार से हरी झण्डी मिल गई है।

तेन्दूपत्ता संग्रहकों के लिए चरण पदुका वितरण योजना

केन्द्र सरकार द्वारा आदिवासी समाज को प्राथमिकता जनजातीय परिवारों के सामाजिक आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जा रहा है। इस योजना से देशभर के इसमें 63,000 गावों के 5 करोड़ जनजातीय लोग लाभार्थी होंगे। छत्तीसगढ़ की जनसंख्या में लगभग 30 प्रतिशत अनुपात आदिवासी समाज को सीधा लाभ मिलेगा। इसी प्रकार कृषि बजट में वृद्धि खेती-किसानी से जुड़े क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है। किसानों की खेतीबाड़ी के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्म जारी की गई है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 10,000 जैव आदान संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएगा, इसका लाभ भी राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों को मिलेगा। आदिवासी बहुल इलाकों में तेन्दू के वृक्षों की बहुतायत है। तेन्दूपत्ता संग्रहण से बड़ी संख्या में समुदाय के लोगों को रोजगार मिलता है। इसको देखते हुए राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्रहरण की दर 4000 से बढ़ाकर 5500 रूपए कर दिया है। तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यों से लगभग 12 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। जल्द ही सरकार तेन्दूपत्ता संग्रहकों के लिए चरण पदुका वितरण योजना भी शुरू करने जा रही है।

आदिवासी बहुल क्षेत्रों के कॉलेजों का होगा उन्नयन

राज्य सरकार द्वारा 36 कॉलेजों के भवन-छात्रावास निर्माण के लिए 131 करोड़ 52 लाख रूपए मंजूर किए गए है। इससे प्रदेश के 36 कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ होंगे तथा शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस स्वीकृति में आधिकांश आदिवासी बहुल क्षेत्रों के कॉलेजों को शामिल किया गया है। नई दिल्ली के ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर अब 185 कर दी गई है। नई दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा की तैयारी करने के इच्छुक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अब इस हॉस्टल में तीन गुने से भी अधिक सीटें उपलब्ध होंगी। आईआईटी की तर्ज पर राज्य के जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण किया जाएगा। राज्य में छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन की स्थापना भी की जा रही है। स्थानीय बोलियों में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आदिवासी समुदायों में शिक्षा की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। 18 स्थानीय भाषा-बोलियों में स्कूली बच्चों की पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंड़ी और कुडुख में कोर्स तैयार किया जा रहा है।

जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास

प्रदेश के 263 स्कूलों में पीएमश्री योजना शुरू की गई है, जिसके तहत इन स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत स्कूलों में स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे आधुनिक विषयों को भी पढ़ाया जाएगा। पीएमश्री स्कूल आदिवासी बहुल इलाकों में भी स्कूलों को अपग्रेड किया रहा है, इससे इन क्षेत्रों के बच्चों को भी आधुनिक, ज्ञानपरक और कौशल युक्त शिक्षा मिल रही है। आदिवासी समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है। इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही हैं। यकीनन, छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के नए आयाम गढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का प्रेम सगे भाईयों की तरह

- **डबल इंजन की सरकारें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को तेजी से लेकर जा रही विकास की राह परः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव**
- **मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का किया शुभारंभ**
- **माओवादी आतंक के विरुद्ध छत्तीसगढ़ में चलाये जा रहे अभियान की प्रशंसा की**
- **राम और कृष्ण हमारी साझा संस्कृति, धार्मिक स्थलों के विकास के लिए मिलकर करेंगे काम**
- **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा विकसित छत्तीसगढ़ के विजन को पूरा करने तैयारी पूरी**

राज्य स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकारें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को तीव्र गति से विकास की राह पर लेकर जा रही है। डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनहितैषी योजनाओं और माओवादी आतंक के विरूद्ध संचालित अभियान की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से माओवाद समाप्ति की ओर है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की साझा संस्कृति है साझा विचार है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, यह सम्मान ऐसे ही हासिल नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ के लोग अपनी सहजता-सरलता के लिए, अपने धान के कटोरे के लिए और अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है। रायपुर से बस्तर तक विकास का नया आयाम स्थापित हुआ है। यहां डबल इंजन की सरकार बहुत तेजी से विकास की राह पर बढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ में प्रभु श्रीराम ने अपना बहुत समय गुजारा है। माता शबरी के जूठे बेर खाने वाला प्रसंग भी छत्तीसगढ़ का है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के कारण से हमारा गौरवशाली अतीत बना है, उसे सहेजने के लिए हमारी सरकार काम करेगी। भगवान श्री कृष्ण की भी जिन जगहों पर लीलाएं हुई हैं वहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का काम हम कर रहे हैं। राज्योत्सव का दीपोत्सव के साथ आयोजन काम हम कर रहे हैं।

राज्योत्सव का दीपोत्सव के साथ आयोजन हुआ। इससे इस आयोजन की कीर्ति बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां लाडली बहन योजना है आपके यहां महतारी वंदन योजना है। हम सब तेजी से विकास के पथ पर बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि राज्योत्सव के शुभारंभ के लिए मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आये हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत छत्तीसगढ़ के शहीद वीरनारायण सिंह, वीर गुंडाधुर सहित अन्य शहीदों के नमन से की। देश भर में जनजातीय समुदाय के शौर्य के प्रतीक बिरसा मुंडा का भीउन्होंने स्मरण किया। उन्होंने गुरु बाबा घासीदास, मिनी माता और महाराजा चक्रधर सिंह जैसी विभूतियों को भी नमन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का पुण्य स्मरण करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, माता शबरी, मधेश्वर महादेव तपोस्थल में ऋषि अगत्स्य सहित अन्य ऋषियों का भी स्मरण किया।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का प्रेम सगे भाईयों की तरह

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का प्रेम सगे भाईयों की तरह है। दोनों राज्यों का स्थापना दिवस एक ही दिन है। मैं डॉ. मोहन यादव जी को भी स्थापना दिवस की बधाई देता हूँ और मध्यप्रदेश के भी तीव्र विकास की कामना करता हूँ। छत्तीसगढ़ आज 25 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इन 24 सालों की विकास यात्रा आपने देखी है। डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में विकास हुआ। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स और लॉ यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान स्थापित हुए। धान खरीदी और पीडीएस की मजबूत व्यवस्था स्थापित हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार को दस महीने हुए हैं। इतने कम समय में ही हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अधिकांश गारंटी को पूरा कर दिया है। चाहे 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का वायदा हो या माताओं-बहनों को एक हजार रुपए देने की बात हो, रामलला दर्शन योजना की बात हो, पीएससी परीक्षा की जांच हो। सभी काम दस महीनों में पूरे किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को पूरा करना है। हमने विजन डाक्यूमेंट तैयार किया है और इसके अनुरूप काम करेंगे।

अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। आज राज्य में जो विकास हुआ, वह अटल जी की वजह से हो पाया है। हमारा प्रदेश श्रीराम का ननिहाल है। यह भूमि का टुकड़ा नहीं, इसमें अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अद्भुत काम किया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि जैसे दीपावली त्यौहार में परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होते हैं वैसे ही परिवार के सदस्य और बड़े भाई मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी हमारे साथ खुशियां साझा करने आये हैं। छत्तीसगढ़ का निर्माण लोकतंत्र का सबसे अनूठा, सबसे अनुपम उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के विकास की रफ्तार को तेज गति से बढ़ा रहे हैं। गौ संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। हमारे प्रदेश छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक साथ कई बड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया, जिससे प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है।

टीबी मुक्त भारत की ओर....

उपलब्धियां, चुनौतियां और आगे का रास्ता

टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत की समर्पित यात्रा को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है, जिसमें 2015 से 2023 तक टीबी के मामलों में उल्लेखनीय 17.7% की गिरावट आई है, यह दर वैश्विक औसत गिरावट 8.3% से दोगुनी है, जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट 2024 में बताया है। यह मील का पत्थर भारत के राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के प्रभाव को जाहिर करता है, जो एक व्यापक रणनीति है जो 2025 तक टीबी उन्मूलन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक निदान, निवारक देखभाल, रोगी सहायता और एक क्रॉस-सेक्टर साझेदारी है।

भारत में क्षय रोग को समाप्त करने की रणनीतियां और लक्ष्य

एसडीजी लक्ष्य 3.3 का लक्ष्य "एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित बीमारियों की महामारियों को समाप्त करना तथा हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों और अन्य संचारी रोगों से 2030 तक निपटना है।" संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन-एसडीजी) के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में भारत ने एसडीजी की समय सीमा 2030 से पांच वर्ष पहले ही 2025 तक "टीबी को समाप्त" करने के लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लिया है।

2025 तक टीबी को समाप्त करने" के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2018 में नई दिल्ली में आयोजित "टीबी समाप्त शिखर सम्मेलन" के दौरान व्यक्त किया था और विश्व टीबी दिवस 2023 पर वाराणसी में "एक विश्व टीबी शिखर सम्मेलन" में इसकी पुष्टि की गई थी। इस शिखर सम्मेलन में, प्रधानमंत्री ने टीबी के लिए निर्णायक और पुनर्जीवित प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, भारत गांधीनगर घोषणापत्र का भी हस्ताक्षरकर्ता है, जो स्वास्थ्य मंत्रियों और विश्व स्वास्थ्य

इस लक्ष्य के अंतर्गत टीबी के संकेतकों में शामिल हैं:-

- **2015 के स्तर की तुलना में टीबी की दर (प्रति लाख जनसंख्या पर नए मामले) में 80% की कमी।**
- **2015 के स्तर की तुलना में टीबी मृत्यु दर में 90% की कमी।**
- **टीबी से प्रभावित कोई भी परिवार बीमारी के कारण भारी खर्च का सामना नहीं कर रहा।**

संगठन दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरओ) का संयुक्त घोषणापत्र है, जिस पर अगस्त 2023 में दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में 2030 तक "टीबी को समाप्त करने के लिए निरंतरता, गति और नवाचार" पर उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक में हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत सरकार द्वारा दिखाई गई मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता के अनुरूप, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एनएसपी) को लागू कर रहा है। एनएसपी 2017-2025 ने लक्ष्यों और उपलब्धियों के बीच के अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, और भारत बोझ अनुमान के लिए गणितीय मॉडल विकसित करने वाले पहले देशों में से एक है।

भारत का दृष्टिकोणः राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम एनटीईपी

कोविड-19 महामारी के बाद, भारत ने एनटीईपी के माध्यम से टीबी को खत्म करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया, जो राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एनएसपी) 2017-25 के साथ जुड़ा हुआ एक कार्यक्रम है। 2023 में प्रमुख उपलब्धियों में लगभग 1.89 करोड़ स्पुतम स्मीयर परीक्षण और 68.3 लाख न्यूक्लिक एसिड प्रवर्धन परीक्षण शामिल हैं, जो सभी स्वास्थ्य सेवा स्तरों पर निदान तक पहुंच का विस्तार करने के लिए कार्यक्रम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) ने व्यापक देखभाल पैकेज और विकेन्द्रीकृत टीबी सेवाएं शुरू कीं, जिसमें दवा प्रतिरोधी टीबी (डीआर-टीबी) के रोगियों के लिए छोटी मौखिक व्यवस्थाओं का विस्तारित रोलआउट शामिल है। कार्यक्रम ने उपचार में देरी को कम करने और टीबी देखभाल की गुणवत्ता को बढ़ाने को प्राथमिकता दी, जिसमें एक अलग देखभाल दृष्टिकोण के माध्यम से कुपोषण, मधुमेह, एचआईवी और मादक द्रव्यों के सेवन जैसी स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने और प्रारंभिक निदान को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। निवारक उपाय एनटीईपी के दृष्टिकोण का एक केंद्रीय केंद्र बने हुए हैं, क्योंकि कार्यक्रम ने टीबी निवारक उपचार (टीपीटी) तक पहुंच का काफी विस्तार किया है। विभिन्न राज्यों की मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, कमजोर आबादी में टीबी रोग के उद्भव को रोकने के लिए एक सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन किया। इससे कुल मिलाकर लगभग 15 लाख लाभार्थियों को छोटी व्यवस्था सहित टीपीटी प्रदान किया जा रहा है। टीबी के नतीजों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य समस्याओं के प्रभाव को स्वीकार करते हुए, एनटीईपी ने अन्य मंत्रालयों और विभागों के साथ सहयोग करके इन स्थितियों, विशेष रूप से कुपोषण, मधुमेह, एचआईवी और मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए पहल शुरू की। इन प्रयासों का उद्देश्य टीबी रोगियों को अधिक समग्र सहायता प्रदान करना था, जिससे उनके समग्र उपचार परिणामों में सुधार हो सके।

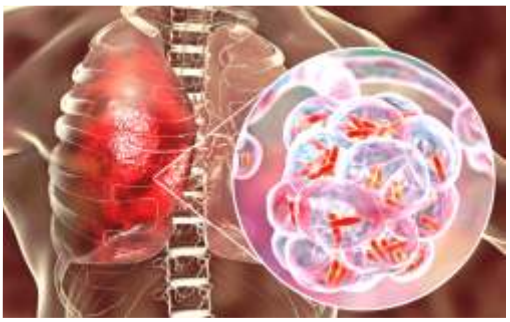

सहायक सेवाओं के माध्यम से रोगी देखभाल को मजबूत बनाना

निक्षय पोषण योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के तहत लगभग 1 करोड़ लाभार्थियों को लगभग 2,781 करोड़ रुपये वितरित करके टीबी रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उपचार समर्थकों और आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकर्ताओं, टीबी विजेता (टीबी चौंपियन) और निक्षय साथी (पारिवारिक देखभालकर्ता मॉडल) को प्रोत्साहित करने सहित नई पहलों का उद्देश्य रोगी सहायता प्रणालियों को और बेहतर बनाना था। सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए) की शुरुआत ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी और स्वामित्व को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस पहल को व्यापक समर्थन मिला, राजनीतिक नेताओं, सरकारी अधिकारियों और गैर सरकारी संगठनों ने इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियानों और कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उल्लेखनीय रूप से, 1.5 लाख से अधिक निक्षय मित्रों ने टीबी से प्रभावित व्यक्तियों की सहायता करने का संकल्प लिया है। वकालत, संचार, सामाजिक लामबंदी और सामुदायिक जुड़ाव राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के मूलभूत पहलू बने हुए हैं, जिसे टीबी उन्मूलन में समुदाय-आधारित प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए पीएमटीबीएमबीए के माध्यम से और मजबूत किया गया है।

आगे का रास्ताः टीबी उन्मूलन की ओर बढ़ना

टीबी उन्मूलन की दिशा में लड़ाई में गति को बनाए रखने के लिए, कई तरह के हस्तक्षेप लागू किए जा रहे हैं और आने वाले वर्षों के लिए विकास में हैं, जिनमें शामिल हैं.

- वयस्क बीसीजी टीकाकरण पर अध्ययन करना.
- नए और छोटे उपचार आहारों सहित तपेदिक निवारक चिकित्सा (टीपीटी) का विस्तार और तेजी से विस्तार करना.
- व्यापक रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग तंत्र के साथ-साथ टीबी से पीड़ित होने के संदेह वाले सभी व्यक्तियों के लिए आणविक नैदानिक परीक्षण तक पहुंच बढ़ाना.
- "आयुष्मान आरोग्य मंदिरों" तक टीबी सेवा वितरण का विकेंद्रीकरण.
- पीएमटीबीएमबीए पहल के माध्यम से समुदाय-आधारित रोगी सहायता प्रणालियों को बढ़ाना.

फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति होंगे। रिपब्लिकन पार्टी के नेता ने राष्ट्रपति चुनाव में जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट का बहुमत हासिल कर लिया है। ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हरा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के सर्वोच्च पद पर पहुंचे हैं। वह अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। ट्रंप की यह जीत ऐतिहासिक है। अपने पहले विजयी भाषण में उन्होंने घुसपैठ रोकने और कर सुधार करने की बात की। इन बातों का जिक्र वो अपने चुनावी अभियान में भी करते रहे हैं।

क्यों ऐतिहासिक है ट्रंप की यह जीत?

2016 में अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति बने ट्रंप 2020 के चुनाव में हार गए। ट्रंप से पहले बिल क्लिंटन, जॉर्ज बुश और बराक ओबामा तीनों ने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए थे। अमेरिका में ट्रंप से पहले 21 राष्ट्रपति ऐसे रहे जिन्होंने दो बार देश के सर्वोच्च पद का चुनाव जीता। इनमें से सिर्फ एक राष्ट्रपति ऐसे थे जो पहली बार राष्ट्रपति

बनने के बाद अगले चुनाव में हार गए। चार साल बाद तीसरी बार चुनाव लड़ा और जीतकर दूसरी बार राष्ट्रपति बने। ट्रंप से पहले ऐसा करने वाले इकलौते राष्ट्रपति का नाम ग्रोवर क्लीवलैंड था। कीवललैंड एक चुनाव हारने के बाद 1892 में दोबारा राष्ट्रपति चुने गए थे। यानी अमेरिका के इतिहास में 132 साल पहली बार पूर्व राष्ट्रपति एक चुनाव हारने के बाद दूसरे चुनाव में निर्वाचित हुआ है।

2020 की हार को डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे जीत में बदला?

ट्रंप ने उपराष्ट्रपति हैरिस को एक ऐसे चुनाव में हराया, जिसमें कई अप्रत्याशित घटनाक्रम देखने को मिले। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप से जुड़ा एक आपराधिक मुकदमा, पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ दो हत्या की नाकाम कोशिशें और राष्ट्रपति बाइडन के दौड़ से बाहर होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में उम्मीदवार का बदलाव। ट्रंप और कमला हैरिस के बीच तक लगभग 100 दिनों तक चुनाव प्रचार चला और आखिरकार रिपब्लिकन नेता ने व्हाइट हाउस पहुंचने के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट हासिल किए। सात प्रमुख स्विंग राज्यों में मतदान में दोनों उम्मीदवारों के बीच चुनाव के दिन तक बहुत कम अंतर दिखाया गया। पूर्व राष्ट्रपति ने अंततः बड़ी जीत हासिल की और जॉर्जिया को फिर से अपने पाले में ला लिया। उत्तरी कैरोलिना में डेमोक्रेटिक पार्टी की 'नीली दीवार' को तोड़कर वहां भी सफलता दर्ज की। अनुमान लगाया गया था ट्रंप जनता द्वारा दिए गए 'लोकप्रिय वोट' जीतेंगे जो वे 2016 में करने में असफल रहे और रिपब्लिकन ने 1992 के बाद से केवल एक बार ऐसा किया है। ये अनुमान भी सही निकला।

स्विंग स्टेट में कैसे रहे नतीजे?

अमेरिका में 7 स्विंग स्टेट हैं। ये राज्य ही अमेरिका चुनाव में जीत हार तय करते हैं। दरअसल, जहां अमेरिका के ज्यादातर राज्य पार्टियों के पारंपरिक समर्थन को ही तवज्जो देते हैं, वहीं इन स्विंग स्टेट्स में पार्टियों का समर्थन बदलता रहता है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार इन स्विंग स्टेट्स को अपनी तरफ कर लेता है, वह चुनाव में विजेता के तौर पर उभरता है। इसीलिए स्विंग स्टेट्स को राष्ट्रपति उम्मीदवार का भाग्य तय करने वाला माना जाता है। इन 7 राज्यों में पेंसिलवेनिया, उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया, मिशिगन, एरिजोना, विस्कॉन्सिन, नेवाडा शामिल हैं। 2020 में इन सात में से छह राज्यों में जो बाइडन को जीत मिली थी। ट्रंप सिर्फ उत्तरी कैरोलिना में जीत दर्ज करने में सफल रहे थे। इस बार ये सभी राज्य रिपब्लिकन पार्टी के लाल रंग में रंगते दिख रहे हैं। तीन राज्यों पेंसिलवेनिया, उत्तरी कैरोलिना और जॉर्जिया में ट्रंप जीत दर्ज कर चुके हैं। वहीं, बाकी चार राज्यों में बढ़त बनाए हुए हैं।

जेडी वेंस बने अमेरिका के नए उपराष्ट्रपति

अमेरिका में आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी ने करीब चार साल बाद सत्ता में वापसी की है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रटिक पार्टी की कमला हैरिस को हरा दिया है। ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। वहीं उनके रनिंग मेट जेडी वेंस उपराष्ट्रपति की कुर्सी संभालेंगे। मनोनीत उपराष्ट्रपति वेंस का भारत से भी खास नाता है। जेडी वेंस की पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस भारतीय मूल की हैं।

जेडी वेंस कौन हैं?

अमेरिका में आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी ने करीब चार साल बाद सत्ता में वापसी की है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रटिक पार्टी की कमला हैरिस को हरा दिया है। ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। वहीं उनके रनिंग मेट जेडी वेंस उपराष्ट्रपति की कुर्सी संभालेंगे। मनोनीत उपराष्ट्रपति वेंस का भारत से भी खास नाता है। जेडी वेंस की पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस भारतीय मूल की हैं।

वेंस का उतार-चढ़ाव भरा बचपन

जेडी का जन्म अगस्त 1984 में ओहियो राज्य के मिडलटाउन शहर में हुआ था। सीनेटर वेंस की मां बेवर्ली वेब ऐकिंस ने पांच शादियां की थीं और जेडी ऐकिंस के दूसरे पति से बेटे हैं। पीपल पत्रिका के अनुसार, बेवर्ली वेब ऐकिंस ने पहली बार 1979 में उनकी बहन लिंडसे को जन्म दिया जब ऐकिंस सिर्फ 19 साल की थीं। ऐकिंस ने 1983 में डोनाल्ड वोमेन से दूसरी शादी की। ऐकिंस और डोनाल्ड बोमन ने 2 अगस्त 1984 को जेडी को जन्म दिया। दोनों बच्चों की परवरिश मिडलटाउन, ओहियो में हुई। मिडलटाउन कभी एक समृद्ध अमेरिकी विनिर्माण शहर था जहां ओहियो के लोग एक बेहतर जीवन जी सकते थे। समय के साथ उनमें से कई अच्छी नौकरियां गायब हो गईं और जेडी के परिवार को कई अन्य लोगों के साथ इसका असर झेलना पड़ा। घर और स्कूल में अशांति आम बात थी।

हालांकि, बेवर्ली और हैमल अंततः अलग हो गए जिसके कारण जेडी का नाम फिर से बदल गया। बेवर्ली के चौथे पति केनेथ वार्नर जबकि पांचवें टेरी ऐकिंस हुए। वेंस ने संस्करण में लिखा, श्ईमानदारी से कहूं तो सबसे बुरी बात यह थी कि बॉब के जाने से हमारे परिवार में उपनामों का उलझा हुआ जाल और भी जटिल हो जाएगा।श जब उनके नाना-नानी उनकी देखभाल करने लगे तो जे.डी. ने अंततः अपना मातृ उपनाम 'वेंस' अपना लिया।

मां नशीली दवाएं लेने लगीं तो नाना-नानी ने देखभाल किया

बेवर्ली एक नर्स थीं और अपने काम के माहौल में उन्हें डॉक्टर के पर्चे पर मिलने वाली दवाइयां मिलती थीं। पीपल पत्रिका के अनुसार, उनकी नशीली दवाओं की लत और दुरुपयोग इतना बढ़ गया था कि उसमें हेरोइन भी शामिल हो गई थी। सीनेटर ने लिखा है कि मां की लत का दौर उनके जीवन के सबसे कठिन साल थे। उन्होंने बताया कि लत पूरे परिवार से कुछ ऐसा छीन लेती है जिसकी भरपाई वे कभी नहीं कर सकते। एक समय ऐसा आया जब जेडी 12 वर्ष के थे और मां बेवर्ली को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया, 'मैं बहुत दुखी था और बहुत अकेला महसूस कर रहा था क्योंकि मै इस पुलिस क्रूजर के पीछे बैठा था उन्होंने मेरी मां को गिरफ्तार किया था।' बेवर्ली द्वारा कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने के बाद आखिरकार जेडी को उनके नाना-नानी की देखभाल में रखा गया था। जेडी के नाना-नानी, जेम्स और बोनी वेंस यूनियन डेमोक्रेट हैं जिन्हें वे अपने पालन-पोषण का श्रेय देते हैं।

डोनाल्ड जेडी वेंस के जीवन में दोबारा आए

जब जे.डी. वेंस किशोर थे, तो उनके पिता कुछ समय के लिए उनके जीवन में वापस आये और उनकी संगीत रुचि को छुड़ा दिया। जेडी ने अपने संस्मरण में लिखा, श्जब हम पहली बार फिर से मिले, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उन्हें क्लासिक रॉक मेरी पसंद नहीं है। उन्होंने बस सलाह दी कि मैं इसके बजाय क्रिश्चियन रॉक सुनूं।

हाई स्कूल की पढ़ाई के बाद ईरान में सेना में सेवा दी

2003 में मिडलटाउन हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी होने के बाद जेडी वेंस मरीन कॉर्प्स (अमेरिकी नौसेना) में भर्ती हुए। इस दौरान उन्होंने द्वितीय मरीन एयरक्राफ्ट विंग के पब्लिक अफेयर्स सेक्शन में कॉर्पोरल के रूप में इराक में सेवा की।

जल्द आपके लिए आएगा Oppo Find X8 Mini

Oppo ने हाल ही में चीन में Oppo Find X8 और Find X8 Pro स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। अब कंपनी अपनी Find X8 सीरीज में एक और स्मार्टफोन, Oppo Find X8 Mini, पेश करने की तैयारी कर रही है. यह फोन फ्लैगशिप सेगमेंट में उतारा जा सकता है और इसे Find X8 Ultra के साथ लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

जल्द होगी एंट्री

चीनी टिपस्टर की रिपोर्ट के अनुसार, Oppo एक नए मॉडल पर काम कर रहा है, जिसे Find X8 Ultra के साथ पेश किया जाएगा। हालांकि Oppo ने फिलहाल इस फोन के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। इस Mini वेरिएंट में उन्नत फीचर्स मिलने की संभावना है, जिसमें प्रमुख हाई-स्पीड चार्जिंग और दमदार परफॉर्मेंस शामिल है।

Oppo Find X8 सीरीज के स्पेसिफिकेशन

Oppo Find X8 और Find X8 Pro स्मार्टफोन्स में AI-आधारित फीचर्स जैसे AI इरेज, AI एंटी रिफ्लेक्शन और AI डी-ब्लर शामिल हैं. Find X8 में 5,630mAh और Find X8 Pro में 5,910mAh की बैटरी दी गई है. दोनों डिवाइस 100WSuperVOOC फास्ट चार्जिंग और 50W वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करते हैं. इसके अलावा, ये स्मार्टफोन 10W रिवर्स चार्जिंग और IP68 रेटिंग के साथ आते हैं, जो उन्हें पानी और धूल से सुरक्षित बनाती है।

सपनों की ऊंची उड़ान

ऐसे देश में जहां आकाश आशा और आकांक्षा का प्रतीक है, वहां उड़ान भरने का सपना कई लोगों के लिए एक विलासिता बना हुआ है। यह सपना 21 अक्टूबर, 2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान, या ''उड़े देश का आम नागरिक'' के शुभारंभ के साथ आकार लेना शुरू हुआ। नागर विमानन मंत्रालय की अगुवाई में, उड़ान का उद्देश्य भारत में ऐसे स्थानों जहां हवाई सेवा नहीं है और कम सेवा वाले हवाई अड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना है, जिससे आम लोगों के लिए हवाई यात्रा सस्ती हो सके। अपनी सातवीं वर्षगांठ मनाते हुए, उड़ान भारत सरकार की बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में।

विमानन उद्योग को मिला रहा बढ़ावा

सपनो की उड़ान

उड़ान की कहानी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन में निहित है जिन्होंने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति की घोषणा से पहले एक महत्वपूर्ण बैठक में हवाई यात्रा को सर्व सुलभ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने सुविदित रूप से कहा था कि वे हवाई जहाज में चप्पल पहने लोगों को चढ़ते देखना चाहते हैं, यह एक ऐसी भावना थी जिसने अधिक समावेशी विमानन क्षेत्र के लिए एक विजन दिया। आम आदमी के सपनों के प्रति इस प्रतिबद्धता ने उड़ान की शुरूआत की।

पहली उड़ान 27 अप्रैल, 2017 को शिमला की शांत पहाड़ियों से भीड़-भाड़ वाले महानगर दिल्ली के लिए शुरू हुई। इस उद्घाटन उड़ान ने भारतीय विमानन में एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत की जिसने अनगिनत नागरिकों की हवाई यात्रा के सपनों को साकार किया।

एक बाजार-संचालित विजन

उड़ान एक बाजार-संचालित मॉडल पर काम करता है, जहां एयरलाइनें विशेष मार्गों पर मांग का आकलन करती हैं और बोली के दौरान प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। यह योजना एयरलाइनों एयरलाइनों को व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) और हवाईअड्डा संचालकों, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न रियायतों के माध्यम से सहायता प्रदान करके वंचित क्षेत्रों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है।

सहायता तंत्र

सरकार ने कम आकर्षक मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के लिए एयरलाइनों को आकर्षित करने के लिए कई सहायक उपाय किए हैं:

एयरपोर्ट ऑपरेटर: वे आरसीएस उड़ानों के लिए लैंडिंग और पार्किंग शुल्क माफ करते हैं, और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) इन उड़ानों पर टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क (टीएनएलसी) नहीं लगाता है। इसके अलावा, रियायती मार्ग संचालन और सुविधा शुल्क (आरएनएफसी) लगता है।

केंद्र सरकार: पहले तीन वर्षों के लिए, आरसीएस हवाई अड्डों पर खरीदे गए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर उत्पाद शुल्क 2 प्रतिशत तक सीमित है। एयरलाइनों को अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए कोड-शेयरिंग समझौते करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

राज्य सरकारें: राज्यों ने दस वर्षों के लिए एटीएफ पर वैट को एक प्रतिशत या उससे कम करने और सुरक्षा, अग्निशमन सेवाओं और उपयोगिता सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाओं को कम दरों पर प्रदान करती हैं।

इस सहयोग तंत्र ने एक ऐसा माहौल तैयार किया है, जहां एयरलाइनें लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्रों की सेवा करते हुए फल-फूल सकती हैं।

विमानन उद्योग को बढ़ावा

आरसीएस-उड़ान योजना ने भारत में नागरिक विमानन उद्योग को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले सात वर्षों में, इसने कई नई और सफल एयरलाइनों के उद्भव को गति दी है। इस योजना से फ्लाईबिग, स्टार एयर, इंडियावन एयर और फ्लाई 91 जैसी क्षेत्रीय एयरलाइनों को लाभ हुआ है। इन एयरलाइनों ने सतत व्यवसाय मॉडल विकसित किए हैं और क्षेत्रीय हवाई यात्रा के लिए एक बढ़ते व्यवसाय में योगदान दिया है। इस योजना के क्रमिक विस्तार से सभी आकारों के नए विमानों की मांग बढी है, जिससे आरसीएस मार्गों पर विमानों की संख्या में वृद्धि हुई है। इसमें एयरबस 320/321, बोइंग 737, एटीआर 42 और 72, डीएचसी क्यू400, ट्विन ओटर, एम्ब्रेयर 145 और 175, टेकनम पी2006टी, सेसना 208बी ग्रैंड कारवां ईएक्स, डोर्नियर 228, एयरबस एच130 और बेल 407 जैसे विविध विमान शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से, भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने अगले 10-15 वर्षों में डिलीवरी के लिए 1,000 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं, इससे लगभग 800 विमानों के मौजूदा बेड़े में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पर्यटन को बढ़ावा

आरसीएस-उड़ान केवल टियर-2 और टियर-3 शहरों को अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए ही समर्पित नहीं हैय यह पर्यटन क्षेत्र में तीव्र विकास करने में भी सहायक है। उड़ान 3.0 जैसी पहलों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई गंतव्यों को जोड़ने वाले पर्यटन मार्ग शुरू किए हैं जबकि उड़ान 5.1 का ध्यान पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन, आतिथ्य और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं के विस्तार पर है।

खजुराहो, देवघर, अमृतसर और किशनगढ़ (अजमेर) जैसे महत्वपूर्ण गंतव्यों तक अब पहुंच अधिक सुलभ हैं। यह धार्मिक पर्यटन की मांग को पूरा करते हैं। इसके अलावा, पासीघाट, जायरो, होलोंगी और तेजू में हवाई अड्डों की शुरुआत ने पूर्वोत्तर के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दिया है। उल्लेखनीय है कि अगाती द्वीप से भी हवाई सेवा शुरू की गई है जिससे लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

हवाई संपर्क को बढ़ावा

गुजरात के मुंद्रा से लेकर अरुणाचल प्रदेश के तेजू और हिमाचल प्रदेश के कुल्लू से लेकर तमिलनाडु के सलेम तक, आरसीएस-उड़ान ने देश भर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आपस में जोड़ा है। उड़ान के तहत कुल 86 हवाई अड्डे शुरू किए गए हैं, जिनमें पूर्वोत्तर क्षेत्र में दस हवाई अड्डे और दो हेलीपोर्ट शामिल हैं। दरभंगा, प्रयागराज, हुबली, बेलगाम और कन्नूर जैसे हवाई अड्डों से उड़ानों की संख्या में वृद्धि हुई है, तथा इन स्थानों से कई गैर-आरसीएस वाणिज्यिक उड़ानें भी संचालित हो रही हैं।

ऊंची उड़ान : उड़ान के तहत कुछ हवाई अड्डे

दरभंगा हवाई अड्डा (सिविल एन्क्लेव): कभी यहां से हवाई सेवाएं बंद हो जाने के पश्चात दरभंगा ने 9 नवंबर, 2020 को दिल्ली से अपनी पहली उड़ान के आगमन का उत्सव मनाया। यह हवाई अड्डा अब उत्तर बिहार के 14 जिलों के लिए प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है जो दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ता है और यहां से वित्त वर्ष 2023-24 में 5 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की।

झारसुगुड़ा हवाई अड्डा (एएआई हवाई अड्डा): द्वितीय विश्व युद्ध के समय जीर्ण-शीर्ण हवाई पट्टी झारसुगुड़ा से मार्च 2019 में हवाई सेवाएं प्रारंभ हुई। यह ओडिशा में दूसरा हवाई अड्डा है। यह अब इस क्षेत्र को दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और भुवनेश्वर से जोड़ता है। वित्त वर्ष 2023-24 में यहां से 2 लाख से अधिक लोगों ने यात्रा की।

पिथौरागढ़ हवाई अड्डा: हिमालय में बसे इस हवाई अड्डे को 2018 में आरसीएस संचालन के लिए चुना गया था और यहां से जनवरी 2019 में हवाई सेवा शुरू हुई। वर्तमान में, यहां से देहरादून और पंतनगर के लिए हवाई सेवाएं उपलब्ध है। यह इसके रणनीतिक महत्व को दर्शाता है।

तेजू हवाई अड्डा: अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध तेजू हवाई अड्डे से अगस्त 2021 में आरसीएस संचालन शुरू हुआ। यह गुवाहाटी, जोरहाट और डिब्रूगढ़ को जोड़ता है। यहां से वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 12,000 यात्रियों ने यात्रा की।

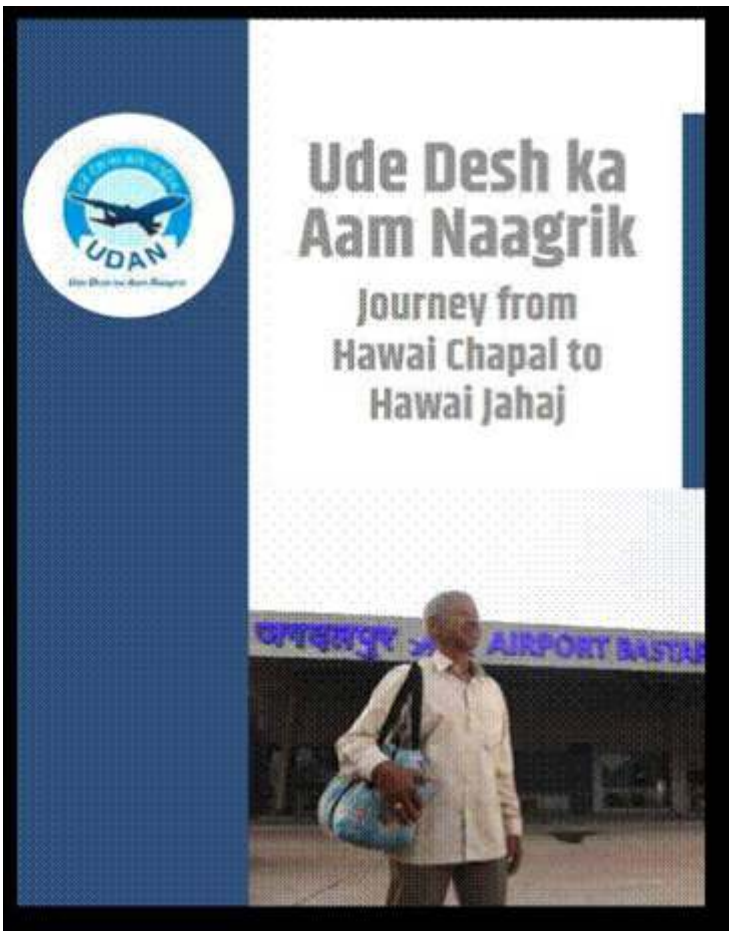

आम नागरिक के लिए बदलाव

उड़ान योजना के तहत भारतीय विमानन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। हेलीकॉप्टर मार्गों सहित 601 मार्गों को प्रारंभ किया गया है जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जोड़ते हैं। उल्लेखनीय है कि इनमें से लगभग 28 प्रतिशत मार्ग सबसे दूरस्थ स्थानों को आपस में जोड़ते हैं। इससे दुर्गम क्षेत्रों में पहुँच सुनिश्चित हुई है। देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2024 में 157 हो गई है और 2047 तक इस संख्या को 350-400 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। पिछले एक दशक में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। भारतीय एयरलाइनों ने भी अपने बेड़े का काफी विस्तार किया है। कुल 86 हवाई अड्डे शुरू किए गए हैं - जिनमें 71 हवाई अड्डे, 13 हेलीपोर्ट और 2 जल हवाई अड्डे शामिल हैं। ये 2.8 लाख से ज्यादा उड़ानों में 1.44 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाते हैं। अपनी शुरुआत से लेकर अब तक, फिक्स्ड-विंग संचालन ने कुल मिलाकर लगभग 112 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की है जो लगभग 28,000 बार दुनिया की परिक्रमा करने के बराबर है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में वरदान साबित हो रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिर

- **आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 12 सेवाओं का आयुष पद्धति के माध्यम से हो रहा है क्रियान्वयन**
- **छत्तीसगढ़ में कुल 400 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित**
- **आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सालाना लगभग सवा करोड़ मरीजों की ओपीडी**

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य बजट को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य सेवाओं को सजग रूप से आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। राज्य स्तर पर डीकेएस और मेकाहारा जैसे अस्पताल अत्याधुनिक तकनीकों से लैस हो रहे हैं तो वहीं संभाग स्तर पर सुपर स्पेशिलिटी अस्पतालों का कार्य निरंतर जारी है। इसी तरह से जिले और ब्लाक स्तर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर राज्य के लोगों की सेहत का विशेष ध्यान रख रहे हैं। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में कुल 400 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं। ये आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों की सामान्य जानकारी एवं रोगों के घरेलू उपचार तथा औषधियों की जानकारी प्रदान करने में बेहद मददगार साबित हो रहे हैं । इसके अंतर्गत संपूर्ण 12 सेवाओं का आयुष पद्धति के माध्यम से क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे मरीजो को लगातार लाभ मिल रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में योग प्रशिक्षकों के माध्यम से जनसामान्य को दैनिक योगाभ्यास हेतु प्रेरणा एवं प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है ताकि मरीज शारीरिक

और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रहें। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) द्वारा निरंतर मरीजों का इलाज किया जा रहा है एवं उनकी देखभाल की जा रही है। राज्य सरकार की इस पहल से लोगों को लगातार लाभ भी मिल रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सालाना 1 करोड़ 38 लाख ओपीडी और मासिक 3 लाख एनसीडी मरीजों का इलाज हो रहा है जो अपनी सफलता की कहानी स्वयं बयां करता है।

बीमारियों की जांच और बुनियादी प्रबंधन

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में प्रदान की जाने वाली मुख्य 12 स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान देखभाल, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, परिवार नियोजन गर्भनिरोधक सेवाएं और अन्य प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम सहित संचारी रोगों का प्रबंधन, सामान्य संचारी रोगों का प्रबंधन तथा तीव्र साधारण बीमारियों और छोटी बीमारियों के लिए बाह्य रोगी देखभाल शामिल हैं। इसी तरह से गैर संचारी रोगों की जांच, रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन, सामान्य नेत्र और ईएनटी समस्याओं की देखभाल, बुनियादी मौखिक स्वास्थ्य देखभाल, वृद्धजन एवं उपशामक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं तथा मानसिक स्वास्थ्य बीमारियों की जांच और बुनियादी प्रबंधन जैसी सेवाएं भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव...

महायुति का दबदबा रहा कायम तो सीएम बनेंगे फडणवीस!

● अगले सीएम को लेकर सियासी हलचल तेज

महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव इस बार बड़ा ही दिलचस्प होगा। क्योंकि शिवसेना का दो धड़े में पहली बार अलग-अलग लड़ना भी काफी बड़ा संदेश देगा। हालांकि महायुति की सरकार अभी वर्तमान में है और बड़े दमखम के साथ चुनाव में लड़ने को उतर रही है। इससे एक बार समझ आ रहा है कि इस बार बीजेपी, महायुति के साथ शिवसेना भी बड़े दिलचस्पी के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। हालांकि इस बीच यह भी संकेत आ रहे है कि अगला सीएम कौन होगा, इसके सियासी मायने भी अब सामने आने लगे है। इधर, अमित शाह ने बड़े संकेत दिए है कि देवेंद्र फडणवीस के हाथों में राज्य की कमान सौंपी जा सकती है, अगर चुनाव में जीत हासिल करते है तो।

इस आर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी गठबंधन भाजपा, शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी महायुति एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। महायुति के सत्ता में आने पर अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, लेकिन, गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिया हैं कि देवेन्द्र फडणवीस राज्य के अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

शाह ने सांगली जिले के शिराला में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि डेढ़ महीने पहले मैंने महाराष्ट्र का दौरा किया। प्रदेश में उत्तर महाराष्ट्र हो, कोकण हो, विदर्भ हो या मुंबई हर जगह लोग चाहते हैं कि महायुति की सरकार लाना है और देवेन्द्र फडणवीस को विजयी बनाना है। शाह ने कहा कि केंद्र में मोदी की सरकार बन चुकी है राज्य में भी महायुति की सरकार बना दीजिए। डबल इंजन की सरकार महाराष्ट्र को देश का नंबर एक राज्य बनाने का काम करेंगी। चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह जनता से कहते नजर आए कि महायुति को जिताएं, देवेन्द्र फडणवीस को विजयी बनाएं। महाराष्ट्र की राजनीति के जानकारों का मानना है कि संकेत साफ हैं। इसलिए अमित शाह ने महायुति को वोट देने और देवेंद्र फडणवीस को विजयी बनाने की अपील की है। फिलहाल, महायुति सरकार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं और तीनों दलों के सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। लेकिन, अब फडणवीस का नाम आने से मुख्यमंत्री को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद हालात देखकर बड़े नेता मुख्यमंत्री का फैसला करेंगे। लेकिन अमित शाह के बयान के सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं।

कभी ठाणे भाजपा का था गढ़

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का शहर ठाणे कभी भाजपा का गढ़ था, लेकिन अब भाजपा के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा हो गया है। ठाणे जिले में सबसे ज्यादा भाजपा के विधायक हैं। पार्षदों से लेकर ग्राम पंचायतों तक कमल खिल चुका है, लेकिन विधानसभा चुनाव में शिवसेना के बागियों ने भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। ठाणे जिले में विधानसभा की कुल 18 सीटें हैं। पिछली बार सर्वाधिक 8 विधानसभा सीटों पर भाजपा का कमल खिला था, जबकि 5 सीटें शिवसेना ने जीती थी। वहीं, एनसीपी के दो, सपा और मनसे के एक-एक विधायक के अलावा मीरा भाईंदर सीट से निर्दलीय गीता जैन ने बाजी बारी मारी थी। इस बार ठाणे में भाजपा से 9, शिवसेना के 7 और एनसीपी के 2 सीटों पर उम्मीदवार हैं, जबकि एमवीए से शिवसेना (यूबीटी) के सर्वाधिक 10, एनसीपी (एसपी) से 5, कांग्रेस के 2 और सपा का एक प्रत्याशी है। भाजपा विधानसभा चुनाव में पिछला प्रदर्शन दोहराना चाहती है, लेकिन शिंदे की शिवसेना के बागियों ने 3 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार के सामने मैदान में हैं। कल्याण पूर्व सीट पर पुलिस थाने में फायरिंग करने वाले विधायक गणपत गायकवाड़ की पत्नी सुलभा गायकवाड़ भाजपा की प्रत्याशी हैं, जहां सीएम शिंदे के करीबी और शिवसेना के शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने बगावत कर निर्दलीय ताल ठोंकी है। वहीं, ऐरोली में भाजपा के गणेश नाईक के खिलाफ शिवसेना के विजय चौगुले और बेलापुर में भाजपा की उम्मीदवार मंदा म्हात्रे के खिलाफ शिवसेना के विजय नाहाटा मैदान में हैं। इसी तरह शिवसेना की 2 सीटों पर भी भाजपा के नेताओं ने बगावत की है, जिनमें कल्याण पश्चिम, भिवंडी ग्रामीण सीट शामिल है।

हम साथ बैठेंगे फैसला करेंगे - अजीत पवार

देवेन्द्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने के अमित शाह के संकेत पर उपमुख्यमंत्री व एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कहा कि चुनाव के बाद हम साथ बैठेंगे और फैसला करेंगे। वहीं, शिवसेना नेता व पूर्व सांसद राहुल शेवाले ने कहा कि अमित शाह ने यह बयान भाजपा के वरिष्ठ नेता के तौर पर दिया है। चूंकि महागठबंधन के कई घटक दल एक साथ मिलकर लड़ रहे हैं, इसलिए नतीजों के बाद इस पर फैसला होना है।

बढ़ती उम्र के साथ आपकी फर्टिलिटी पर क्या होता है असर

आपने अक्सर बड़े बुजुर्गों से सुना होगा कि शादी और बच्चे सही समय पर कर लेने चाहिए नहीं तो बाद में काफी परेशानी होती है। आजकल इस बात पर कई लोगों की प्रतिक्रिया नकारात्मक भी होती है कि यह उनकी जिन्दगी है तो सारे फैसले भी उन्ही के होंगे। इसी विषय पर चर्चा करते हुए आशा आयुर्वेदा की डायरेक्टर तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चंचल शर्मा ने बताया कि यह बात बिलकुल सही है कि बढ़ती उम्र के साथ आपकी फर्टिलिटी कम होती जाती है।

शादी के बाद हर कपल का सपना होता है माँ बाप बनना लेकिन जब किसी वजह से इसमें रुकावट आती है तब कपल्स की परेशानी बढ़ जाती है। आजकल महिला और पुरुष सभी जागरूक हो गए हैं इसलिए शादी से पहले वो अपने कैरियर को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में कई बार शादी में विलम्ब हो जाता है और फिर बच्चे पैदा करने में भी। ऐसे समय में आपकी फर्टिलिटी पर बढ़ती उम्र का असर दिखना शुरू हो जाता है। फर्टिलिटी की यह समस्या महिला पार्टनर या पुरुष पार्टनर दोनों में हो सकती है। यहाँ डॉ चंचल शर्मा से जानेंगे उन सभी सवालों के जवाब जो प्राय: सभी कपल्स के मन में होता है। जैसे फर्टिलिटी का उम्र से क्या सम्बन्ध है? किस तरह आपकी बढ़ती हुयी उम्र बन सकती है नि:संतानता का कारण? और कौन कौन से कारक हैं जो किसी व्यक्ति की फर्टिलिटी को प्रभावित करते हैं?

फर्टिलिटी पर उम्र का प्रभाव

हर स्त्री का ओवेरियन रिजर्व फिक्स्ड होता है जो बढ़ती उम्र के साथ कम होता जाता है। ओवेरियन रिजर्व जिसे हिंदी में डिंबग्रंथि आरक्षित भी कहते हैं, यह एक महिला के अंडाशय में मौजूद अण्डों की संख्या और गुणवत्ता को दर्शाता है। इससे एक स्त्री के फर्टिलिटी के बारे में पता चलता है। कई बार किसी प्रकार की चोट लगने से या बिमारी के कारण इसमें कमी आ सकती है लेकिन सामान्य रुप से उम्र बढ़ने के साथ यह ओवेरियन रिजर्व कम होता जाता है। जैसे जैसे इसमें कमी आती है एक महिला की फर्टिलिटी में भी कमी आती जाती है। इसकी वजह से कपल्स पैरेंट्स नहीं बन पाते हैं और परेशान रहते हैं।

ओवेरियन रिजर्व कम हो रहा है तो कैसे पता करें?

अगर आपका ओवेरियन रिजर्व कम हो रहा है तो इसे पता करना बहुत जरुरी है तभी आप समय रहते इसका उचित उपचार करवाके गर्भधारण की प्लानिंग कर सकते हैं। अब जानेंगे कैसे पता करें ओवेरियन रिजर्व के बारे में? इसे जानने के लिए आपको एक टेस्ट करना होगा जिसे एएमएच टेस्ट कहते हैं। यह टेस्ट आपके ब्लड द्वारा किया जाता है। अक्सर डॉक्टर इस टेस्ट के लिए उन्हीं कपल्स को सलाह देते हैं जिनको गर्भधारण में परेशानी हो रही है और उम्र 35 से ज्यादा हो चुकी है।

एएमएच सामान्य है या नहीं यह कैसे पता चलेगा?

एक महिला में एएमएच का स्तर उम्र के अनुसार बदलता रहता है लेकिन एक सामान्य रेंज की बात करें तो 1-5-4.0ng/ml स्वस्थ स्तर माना जाता है, जिसमे कोई भी महिला आसानी से गर्भधारण कर सकती है। लेकिन यहाँ यह बात समझनी होगी की कई बार एएमएच 1 से कम होने पर भी प्रेगनेंसी हो सकती है लेकिन उसके लिए महिला के गर्भाशय का स्वस्थ होना बहुत जरुरी है। उम्र, AMH, ओवेरियन रिजर्व इन सबके अंतर्संबंध को समझना जरुरी है। अगर किसी महिला की उम्र 25 वर्ष है तो उसके लिए सामान्य AMH 3 माना जायेगा। अगर महिला की उम्र 25 से 30 तक है तो उसके लिए ।डभ्का सामान्य स्तर 2 माना जायेगा। जैसे जैसे आपकी उम्र बढ़ती है एएमएच का यह स्तर घटता जाता है। 45 की उम्र आते आते यह काउंट 1 से भी कम हो जाता है और फिर किसी महिला के लिए प्राकृतिक रूप से कन्सीव कर पाना मुश्किल होता है।

ओवरियन रिजर्व कम होने पर क्या करें?

फर्टिलिटी एक्सपर्ट डॉ चंचल शर्मा बताती हैं कि आयुर्वेदिक उपचार द्वारा उन्होंने कई ऐसे पेशेंट की संतानप्राप्ति में मदद की है जिनका एएमएच 1 से भी कम था। इसलिए आपको निराश होने की जरुरत नहीं है क्यूंकि आयुर्वेदिक उपचार द्वार आप बिना किसी सर्जरी के प्राकृतिक रूप से माँ बनने की खुशी पा सकते हैं। आयुर्वेदा के अनुसार इसके लिए शमन, शोधन और रसायन का सहारा लिया जाता है। आपको ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ और विटामिन डी के सेवन के लिए कहा जाता है। क्यूंकि ये सभी उपाय आपके ओवेरियन रिजर्व को बढ़ाने में मदद करते हैं।

महतारी वंदन योजना से दीपावली की खुशियां हुई दोगुनी

स्मार्ट वूमेन अल्का की जागरूकता बनी मिसाल

शासकीय योजनाओं से जुड़कर और इन योजनाओं का लाभ उठाकर कैसे अपने परिवार को संभाला जा सकता है। यह सीखा जा सकता है, स्मार्ट वूमेन अल्का कच्छप से। अल्का ने अपनी जागरूकता से न केवल अपने परिवार को आर्थिक संकट से उबारा बल्कि अपनी बेटियों के बेहर कैरियर के लिए भी इंतजाम कर लिया है। अल्का ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता मेरी बेटियां जब बड़ी होंगी, तब यह पैसे उनकी पढ़ाई और शादी में काम आएंगे।

अम्बिकापुर विकासखंड के छोटे-से ग्राम पंचायत- चठिरमा के आश्रित गांव बढनीझरिया की रहने वाली अलका कच्छप अपने बच्चों के भविष्य के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वे बेहद स्मार्टली अपने परिवार को बेहतर सहयोग करने के लिए शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति भी जागरूक हैं। अलका एक आम घरेलू महिला हैं, उनके पति सामुवेल कच्छप राज मिस्त्री का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति हमेशा से ही चुनौतीपूर्ण रहती है। पति की आमदनी से घर का खर्च चलाना मुश्किल होता था, इसलिए बिहान महिला समूह से जुड़कर काम कर रही हैं।

जिससे अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह अपने बच्चों की देखभाल और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देती हैं। अल्का ने बिहान समूह से जुड़कर न केवल आमदनी का जरिया ढुंढा बल्कि अपने बेटियों के लिए महतारी वंदन योजना से मिल रही राशि को उनके सुरक्षित भविष्य के लिए सुकन्या योजना का प्रीमियम जमा किया। अलका ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं बड़ी बेटी का नाम विभा और छोटी बेटी का नाम विद्या है। विभा प्राइवेट स्कूल में कक्षा 6वीं केजी-वन में पढ़ रही हैं। उनकी बेटियां अच्छी पढ़ाई पूरा करें। अल्का का बेटियां अपनी पढ़ाई पूरी करियर का चुनाव करें। से तैयारी कर रही हैं। की कमाई और महतारी मिलने वाली राशि को समृद्धि योजना में दोनों एक-एक हजार रुपए हर महीने जमा कर रही हैं।

और छोटी बेटी वह चाहती है कि कर अपने सपनों को सपना है कि उनकी करें और अच्छे इसलिए अलका अभी अपनी बिहान समूह वंदन योजना से मिलाकर सुकन्या बेटियों के नाम से

दीपावली को हर्षोल्लास से मनाया

हमारे देश के सबसे प्रमुख त्यौहार दीपावली को हर्षोल्लास के साथ सभी मनाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस बार दीपावली का त्यौहार महिलाओं के लिए दोगुनी खुशियॉ लेकर आया है। यह खुशियॉ उन्हें महतारी वंदन योजना की 9वीं किस्त की राशि से मिली है, जिसे दीपावली से पूर्व ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीपावली की खुशियों के रूप में छत्तीसगढ़ की महिलाओं के खाते में अंतरित कर दिया था। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख माताओं एवं बहनों के बैंक खातों में प्रतिमाह एक-एक हजार रूपये का अंतरण किया जाता है, जिसमें बालोद जिले की 2 लाख 52 हजार से अधिक महिलाएं भी प्रतिमाह लाभान्वित हो रही हैं। दीपावली त्यौहार के अवसर पर बालोद जिले की महिलाओं ने अपने बैंक खातों में एक-एक हजार रूपए राशि अंतरित होने पर खुशी जाहिर करते हुए अपने विष्णु भैय्या के प्रति आभार व्यक्त किया है। बालोद जिले के ग्राम सिवनी की देवकी बाई ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हे प्रतिमाह महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रूपए उनके खाते में मिल रहा है, जिसे वह अपने बैंक में जमा कर रही है। अभी दिपावली के अवसर पर इससे वह अपने घर में सभी के लिए कपड़े और जरूरी सामान खरीदी है, जिससे उन्होंने दिपावली का त्यौहार काफी खुशी से मनाया है। उसने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उनके बड़े भाई की तरह उनका ख्याल रख रहे हैं, और इस माह दीपावली त्यौहार के पूर्व राशि अंतरित कर उन्होंने अपनी बहनों की खुशियों को दोगुना किया है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त किया है।

ईश्वरी सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दीपावली त्यौहार के पूर्व हमें महतारी वंदन योजना की राशि उपलब्ध कराया है, इससे उन्होंने अपने लिए साड़ी ली है। इसी प्रकार सरिता और बसंती निषाद ने महतारी वंदन योजना के तहत नौंवी किश्त की राशि आने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी हमारे बड़े भैय्या की तरह हमारा ख्याल रख रहे है। हमें प्रतिमाह एक हजार की राशि सीधे हमारे बैंक खाते में प्रदान कर रहे है। हमारे लिए अब हर माह की शुरूआत किसी त्यौहार से कम नही होती और मोबाइल में महतारी वंदन योजना की राशि आने का मैसेज देखते ही खुशियों से हमारा आत्मविश्वास जाग जाता है। इस माह दीपावली से पूर्व ही राशि आने से हमारी दीपावली की खुशियॉ दोगुनी हुई है, हमने इस माह की राशि का उपयोग दीपावली की खरीदी में किया है।

नाइट कैम्प और एडवेंचर पर्यटकों का मोह रहा मन

- **पर्यटन के क्षेत्र में जशपुर ले रहा नया रूप**
- **एडवेंचर, इको-टूरिज्म को दिया जा रहा बढ़ावा**

> मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सार्थक पहल से जशपुर जिला पर्यटन के क्षेत्र में नया रूप ले रहा है। इसके साथ ही व्यापक स्तर पर एडवेंचर और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही विगत दिवसों में मायली नेचर कैंप में सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकार की पहली बैठक आयोजित किए है।

छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला सुंदर वादियों और नदी पहाड़ झरना से परिपूर्ण खूबसूरत और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है अब जिला तेजी से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां के घने जंगल, पर्वतीय क्षेत्र, और अनोखी आदिवासी संस्कृति ने जशपुर को एक विशेष पहचान दिलाई है। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। जहां विगत दिवस 4 दिवसीय देश देखा में जम्बूरी उत्सव का आयोजन किया गया है। जहां बड़ी संख्या में युवाओं ने यहां पर्यटन का आनंद लिया नजदीक से जशपुर की लोकल संस्कृति परम्परा और कर्मा नृत्य का अनुभव जाना। पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्रदान करना है, बल्कि उन्हें जशपुर की प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा से भी जोड़ना है।

जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाना है। उनका उद्देश्य एक ऐसा पर्यटन मॉडल तैयार करना है, जो न केवल पर्यटकों के लिए रोमांचक हो, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखे पर्यटन को प्रकृति के करीब पहुंचाने का प्रयास किया है। प्राकृतिक संपदा जैसे घने जंगलों, पहाड़ियों और जल संसाधनों को भी पर्यटकों के अनुभव का हिस्सा बनाया है, जिससे न केवल पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव मिलता है, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी रोजगार मिलता है। जशपुर की जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के करीब लाना है।

इसके तहत पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियाँ जैसे, बर्ड वॉचिंग, और प्राकृतिक स्थल भ्रमण आयोजित किए जाते हैं। इन गतिविधियों से पर्यटकों को पर्यावरणीय स्थिरता का भी ज्ञान मिलता है।

एडवेंचर टूरिज्म

रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रेकिंग, और नदी के किनारे कैंपिंग जैसी गतिविधियाँ पर्यटकों के लिए रोमांचक अनुभव साबित होती हैं। जशपुर के प्राकृतिक परिदृश्य में आयोजित इन गतिविधियों के जरिए पर्यटक न केवल जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता को देख सकते हैं, बल्कि साहसिक खेलों का आनंद भी ले सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने के लिए अनुभवात्मक पर्यटन का प्रारूप तैयार किया है। पर्यटक यहां स्थानीय व्यंजनों का स्वाद, आदिवासी कला और शिल्प वर्कशॉप्स, और पारंपरिक नृत्य-संगीत का आनंद ले सकते हैं।

सीनीय समुदाय की भागीदारी और योगदान

सीनीय समुदाय को रोजगार के अवसर प्रदान कर, सामुदायिक विकास में अपना योगदान दिया है। स्थानीय गाइड्स, शिल्पकार, और साथ जुड़कर न केवल अपने परिवार की सहायता कर रहे हैं बल्कि जशपुर की सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित कर रहे हैं। इसका उद्देश्य केवल पर्यटकों को आकर्षित करना नहीं है, बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति को जीवित रखना भी है। जिला प्रशासन स्थानीय कलाकारों के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों को उनके स्टोर पर प्रदर्शित करता है, जिससे स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। साथ ही, यह स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके किसानों और शिल्पकारों को आर्थिक समर्थन प्रदान कर रहा है।

भविष्य की योजनाएँ और नवाचार

आने वाले पाँच वर्षों में योजना है कि जशपुर को छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाया जाए, जहां पर्यटक प्रकृति, रोमांच, और संस्कृति का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकें। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए, कार्यक्रमों में इको-फ्रेंडली दृष्टिकोण को शामिल कर रहा है।

उपचुनाव से 19 वार्डों के पार्षदों का तय होगा भविष्य

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव में 19 वार्डों के पार्षदों का भविष्य भी तय होता दिख रहा है। इस क्षेत्र में 8 पार्षद भाजपा के हैं, 9 कांग्रेस के, और 2 निर्दलीय पार्षद भी हैं, जो वर्तमान में कांग्रेस को समर्थन दे रहे हैं। इस तरह, उपचुनाव के मतदान और परिणामों के आधार पर इन पार्षदों की राजनीतिक स्थिति भी प्रभावित होगी। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इन वार्डों में भाजपा या कांग्रेस में से जो भी पार्टी आगे बढ़ेगी, उसके उम्मीदवारों को अगले स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट मिलना लगभग तय है। इसके विपरीत, जिन पार्षदों का प्रदर्शन कमजोर रहेगा, उनके लिए टिकट कटना संभव है। इस प्रकार, यह चुनाव केवल दक्षिण विधानसभा के विधायक का ही नहीं, बल्कि वार्ड के पार्षदों के लिए भी महत्वपूर्ण हो गया है।

पार्षद कांग्रेस के ज्यादा, लेकिन वोट भाजपा को

पिछले चुनावों का इतिहास देखा जाए, तो यहां भले ही पार्षद कांग्रेस के ज्यादा हों, लेकिन चुनावों में वोट ज्यादा भाजपा को ही मिलते आ रहे हैं। फिर वो चाहे विधानसभा का चुनाव हो या फिर लोकसभा का। दोनों में ही बृजमोहन को एकतरफा समर्थन यहां की जनता ने दिया है। ऐसे में इस दक्षिण के चुनाव में पार्षदों का राजनीतिक करिअर भी दांव पर लग गया है।

फैक्ट फाइल

19 वार्ड
11 पार्षद कांग्रेस के पास
8 पार्षद भाजपा के पास
8 महिला पार्षद
5 महिला पार्षद बीजेपी से
3 महिला पार्षद कांग्रेस से

मांदर बजाते हुए कलाकारों के साथ थिरके मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य उत्सव में कलाकारों के पास पहुंचे और मांदर बजाकर अपनी प्रसन्नता का इजहार किया। मुख्यमंत्री साय कलाकारों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते हुए अलग अंदाज में नजर आए। मुख्यमंत्री का छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति से जुड़ाव और उनके सहज-सरल व्यवहार को देखकर लोग उनके मुरीद हो गए और तालियां बजाकर अपनी खुशी का इजहार किया। मुख्यमंत्री को इस मौके पर रिखी क्षत्रीय ने अपनी ओर से मांदर भेंट किया। मुख्यमंत्री ने राज्योत्सव की द्वितीय संध्या को जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

गौरतलब है कि जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में राज्य की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और जनहितकारी परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में दिखाई गई योजनाओं और उपलब्धियों की सराहना की

गौरतलब है कि जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में राज्य की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और जनहितकारी परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में दिखाई गई योजनाओं और उपलब्धियों की सराहना की

गौरतलब है 4 अक्टूबर, 1977, भारत के विदेश मंत्री के तौर पर स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी देश का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में अपना भाषण दिया था। उन्होंने अपने भाषण में परमाणु निरस्त्रीकरण, आतंकवाद जैसे कई गंभीर मुद्दे उठाए थे। हिंदी में बोलने की वजह से ही उनका यह भाषण अविस्मरणीय और ऐतिहासिक हो गया। उन्होंने कहा कि भारत सभी देशों से मैत्री चाहता है और भारत विश्व शांति के लिए हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा को विश्व मंच पर पुरजोर तरीके से रखते हुए कहा कि मैं भारत की ओर इस महासभा को आश्वासन देता हूं कि हम एक विश्व के आदर्शों की प्राप्ति और मानव के कल्याण तथा उसके गौरव के लिए त्याग और बलिदान की बेला कभी पीछे नहीं रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह भारत को गौरवान्वित करने वाला है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जनसंपर्क विभाग

की प्रदर्शनी में प्रश्न माला कार्यक्रम में विजेता रही दानी स्कूल और काली बाड़ी स्कूल के छात्राओं को पुरस्कृत किया और उनका हौंसला बढ़ाया। छात्रा लविना वर्मा, किरण साहू सुमन, महिमा वर्मा, दीपिका धीवर ने मुख्यमंत्री को इस तरह के आयोजन समय-समय पर कराए जाने का आग्रह किया। जनसंपर्क की प्रदर्शनी में रिखी क्षत्रिय भिलाई ने छत्तीसगढ की संस्कृति को संजोकर रखने और उनका प्रचार प्रसार करने के लिए छत्तीसगढ के वाद्ययंत्रों को प्रदर्शित किया गया है।

छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभूतियों एवं संस्थाएं सम्मानित

राजधानी नवा रायपुर में राज्योत्सव के तीसरे दिन राज्य की महान विभूतियों के नाम से अलंकरण प्रदान करने समारोह का आयोजन किया गया। राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासी पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार बुटलू राम माथरा को प्रदान किया। इसी प्रकार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिया जाने वाला अहिंसा एवं गौ-रक्षा के क्षेत्र में यति यतनलाल सम्मान मनोहर गौशाला खैरागढ़, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुण्डाधूर सम्मान छोटी मेहरा, खेल (तीरंदाजी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान विकास कुमार को प्रदान किया गया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्थान के क्षेत्र में मिनीमाता सम्मान के लिए सतनामी महिला समिति कोहका जिला दुर्ग को, महिलाओं में वीरता, शौर्य, साहस तथा आत्मबल को सशक्त बनाने के लिए वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार अदिती कश्यप और महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान के लिए माता बहादुर कलारिन सम्मान कुमारी चित्ररेखा सिन्हा, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक चेतना और दलित उत्थान के क्षेत्र में गुरू घासीदास सम्मान श्री राजेन्द्र रंगीला (गिलहरे), सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में ठाकुर प्यारेलाल सम्मान श्री शशिकांत द्विवेदी को प्रदान किया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जशपुरनगर, जिला जशपुर, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान डॉ. सत्यभामा आडिल, संस्कृति विभाग द्वारा संगीत एवं कला के क्षेत्र में चक्रधर सम्मान पं. सुधाकर रामभाऊ शेवलीकर को प्रदान उप राष्ट्रपति धनखड़ ने प्रदान किया। संस्कृति विभाग द्वारा लोककला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिया जाने वाला दाऊ मंदराजी सम्मान पंडीराम मंडावी को प्रदान किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा ही छत्तीसगढ़ी लोकगीत के लिए लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान निर्मला ठाकुर (बेलचंदन) और छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के लिए खुमान साव सम्मान दुष्यंत कुमार हरमुख, कृषि विभाग द्वारा कृषि के क्षेत्र में डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान संयुक्त रूप से शिवकुमार चंद्रवंशी और खेमराज पटेल को प्रदान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए महाराजा अग्रसेन सम्मान सियाराम अग्रवाल, समाज कल्याण विभाग द्वारा दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता के क्षेत्र में दानवीर भामाशाह सम्मान सुभाष चंद अग्रवाल, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीमती बिलासाबाई केंवटीन मत्स्य विकास पुरस्कार विनोद दास को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासियों की सेवा और उत्थान के क्षेत्र में दिया जाने वाला भंवर सिंह पोर्ते सम्मान छत्तीसगढ़ आदिवासी कल्याण संस्थान अनुपम नगर रायपुर को प्रदान किया गया। श्रम विभाग द्वारा श्रम के क्षेत्र में महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार संयुक्त रूप से सुरेन्द्र कुमार राठौर, शोभा सिंह एवं ललित कुमार नायक को प्रदान किया गया। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा अपराध अनुसंधान क्षेत्र में पंडित लखन लाल मिश्र सम्मान रामनरेयश यादव, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर क्षेत्र में बिसाहूदास महंत पुरस्कार संयुक्त रूप से पन्नालाल देवांगन और बहोरी लाल देवांगन को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदाय किया। ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर के क्षेत्र में राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार संयुक्त रूप से सत्यनारायण देवांगन एवं श्री अरूण मेहर को प्रदान किया गया।

संस्कृति विभाग द्वारा प्रदर्शनकारी लोककला क्षेत्र में देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार भगत गुलेरी, संस्कृति विभाग द्वारा लोक शैली पंथी नृत्य प्रदर्शनकारी कला क्षेत्र में देवदास स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार साधे लाल रात्रे, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा, निर्माण के क्षेत्र में किशोर साहू सम्मान प्रकाश अवस्थी, संस्कृति विभाग द्वारा ही हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के लिए दिया जाने वाला किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण सतीश जैन को प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा तथा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए धनवन्तरि सम्मान डॉ. मनोहर लाल लहेजा को प्रदान किया गया। विधि एवं विधायी विभाग द्वारा विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान संयुक्त रूप से सुरेन्द्र तिवारी और प्रकाश चंद्र पंत को, संस्कृति विभाग द्वारा देश के बाहर सामाजिक कल्याण, मानव संसाधन विकास, कला, साहित्य अथवा आर्थिक योगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान आनंद कुमार पांडे, संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य, आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार डॉ. पीसी लाल यादव को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया। जनसंपर्क विभाग द्वारा पत्रकरिता प्रिंट मीडिया हिन्दी के क्षेत्र में चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार भोलाराम सिन्हा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (हिन्दी) के क्षेत्र में मोहन तिवारी, प्रिंट मीडिया (अंग्रेजी) के क्षेत्र में मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार मुकेश एस. सिंह, रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा क्षेत्र में प्रदाय किए जाने वाले पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान अतुल जैन को प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसाल, यहां विकास के नये कीर्तिमान बन रहेः उपराष्ट्रपति धनखड़

> राज्य अलंकरण समारोह पर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सबकी भागीदारी की जरूरत है। इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान बढ़चढ़कर होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसाल, यहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास के नये कीर्तिमान बन रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने राज्य अलंकरण से सम्मानित सभी विभूतियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के 36 सम्मान, जिन्हें देखकर मुझे ऊर्जा मिली है।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि जब शताब्दी ने पलटी खाई तो छत्तीसगढ़ का उदय हुआ, ये यात्रा यहां तक आ गई है। इसके लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूँ, छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, पुरानी कहावत है आज भी कानों में गूंजती है। आप सभी इस कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं।

इस समारोह में आकर मेरा मन गौरव से भर गया है। छत्तीसगढ़ की पावन धरती समृद्ध सांस्कृतिक जीवन का दस्तावेज है। राष्ट्र के प्रति समर्पण और भारतीयता हमारी पहचान है। वर्ष 2000 में इस राज्य को विशिष्ट पहचान मिली। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी को इस अवसर पर याद न करें तो बड़ी चूक होगी। उनकी याद सदैव आती है। राष्ट्रहित पर वे हमेशा अटल और मानवीय भावनाएं के विषय में बहुत कोमल थे। राजनीति में उन्होंने ऐसी सर्जरी की कि किसी को पीड़ा नहीं हुई और तीन राज्य बनाए, मैं उन्हें नमन करता हूँ। आपने पड़ोसी राज्य के मुख्यमंत्री को बुलाकर एक बड़ा मापदंड हासिल किया, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय बधाई के पात्र हैं। अटल जी ने जो कारीगरी की, उसमें कोई दर्द नहीं था। भाई चारा था। अगले साल छत्तीसगढ़ अपने स्वर्ण युग में प्रवेश करेगा इसका सुखद समन्वय भारत के अमृत काल के साथ हो रहा है। हमें अपनी गौरवमयी विरासत को नहीं भूलना चाहिए। यह मौका है हमारे महापुरुषों को याद करने का। आज जब हम अमृतकाल मना रहे हैं। मुझे और आपको गर्व है कि जिन लोगों ने अपना बलिदान किया, उन्हें दूर दूर जाकर हम उन्हें नमन कर रहे हैं। उनके समक्ष नतमस्तक हो रहे हैं। भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीरनारायण सिंह जैसे लोगों ने विषम हालात में स्वतंत्रता की ज्योति को जलाये रखा,

हम उन्हें हमेशा स्मरण करते हैं और इसके लिए जनजातीय दिवस मना रहे हैं। इन महापुरुषों ने नि:स्वार्थ भाव से समाज की सेवा की। इस मौके पर आपको मैं चिंतन और मंथन के लिए भी आग्रह करूंगा। सेवा नि:स्वार्थ होना चाहिए, इसमें कोई स्वार्थ नहीं होना चाहिए। नि:स्वार्थ सेवा के नाम पर या आड़ पर हमारी श्रद्धा को परिवर्तन करने का प्रयास किया जा रहा है। हमारी संस्कृति हजारों साल पुरानी है उस पर प्रहार किया जा रहा है। इस पर हमें सजग होना चाहिए। यह धनबल के आधार पर हो रहा है। भोलेपन के आधार पर हो रहा है। भारत की आत्मा को जीवंत रखने के लिए ऐसी ताकतों को कुचलने की आवश्यकता है। आपसे आग्रह है कि इनसे सचेत रहिये। इन प्रयत्नों में खासतौर पर हमारे आदिवासियों भाइयों को निशाना बनाया जाता है। हमारे भारत की संस्कृति सबको समेटने वाली संस्कृति है। इस विशेषता को बरकरार रखना है। इस राज्य के युवाओं के लिए एक और चिंता का कारण है जिस पर यह सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने नक्सलवाद से लड़ने का काम किया है। सरकार की सकारात्मक नीतियों की वजह से युवाओं को अनेक अवसर मिल रहे हैं। राज्य की गति और देश की प्रगति में बड़ा जुड़ाव है। राज्य की प्रगति और देश की प्रगति एक दूसरे की पूरक है। भारत की विकास यात्रा ने दुनिया को चमत्कृत कर दिया है। दुनिया हमारी तकनीकी प्रगति को देखकर दांतों तले उंगली दबा रही है। मेरे मन में शंका नहीं है कि छत्तीसगढ़ का देश की प्रगति में बड़ा योगदान रहेगा। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा बेहद समृद्ध है। इस राज्य में अनेक संभावनाएं हैं।

इस ओर ध्यान दिया जा रहा है। नतीजे भी अच्छे आ रहे हैं। यहां की खनिज संपदा जैसे बस्तर का लौह अयस्क, कोरबा का कोयला भारत के औद्योगिक विकास की प्राणवायु है। इस भूमि को धान का कटोरा कहा जाता है। यह राष्ट्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एक बात मैं जरूर ध्यान दूंगा और आपसे भी आग्रह करूंगा कि राज्य का हित राष्ट्रीय दृष्टिकोण से देखना होगा, राज्य का हित राष्ट्र के हित से अलग नहीं है। प्रदेश के निरंतर विकास के लिए मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बधाई देना चाहता हूँ। संविधान दिवस ज्यादा समय दूर नहीं है। आज के नवयुवकों को याद दिलाना चाहूंगा।संविधान हमारी महत्वपूर्ण आधारशिला है इस पर हमारा भविष्य टिका है। संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है। हर नागरिक को संविधान की अहमियत का एहसास होना चाहिए। इसके आदर्शों का पालन हमारी जिम्मेदारी है। संविधान से खिलवाड़ के हर प्रयास को कुंठित करना चाहिए। आपातकाल देश का काला क्षण था। 21 महीनों तक अधिकारों पर विराम लग गया। हालात इतने भयावह थे कि प्रजातांत्रिक मूल्य नजर तक नहीं आ रहे थे। लाखों लोगों को जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया गया था। इस भयावह कालखंड की जानकारी आज की पीढ़ी को होनी चाहिए।

इस राज्य में आईआईटी है। आईआईएम है। जिस पेशे से मैं जुड़ा हूँ उससे भी जुड़ा हुआ विश्वविद्यालय है जो बहुत प्रतिष्ठित है। राज्य का युवा, महिला एवं हर वर्ग अपना योगदान दे सके, अपना उज्ज्वल भविष्य बना सके, ऐसी नीतियां छत्तीसगढ़ में तैयार हो रही है। यहां प्रशासनिक पारदर्शिता आई है।

समाज के हर वर्ग को सशक्त करने का प्रयास हुआ है। राज्य ने हाल ही में एक उद्योग नीति बनाई है इससे नवयुवकों की आशाएं फलीभूत होंगी। केंद्र और राज्य ने युवाओं के लिए इतनी योजनाएं शुरू की हैं कि युवा अपने उद्यम से अन्य लोगों को भी लाभ दे सकते हैं।

इस मौके पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मैं असम प्रदेश से आता हूं। यह हरा-भरा प्रदेश है। छत्तीसगढ़ और असम राज्य में कई समानताएं हैं। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत हिस्सा वनों से घिरा हुआ है। दोनों ही राज्य प्राकृतिक सम्पदा से भरपूर राज्य है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हुए छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर सतत् आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रशंसा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के 24 वर्षो में हमने शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। एक युवा राज्य के रूप में हमारा उद्देश्य सिर्फ आर्थिक विकास नहीं बल्कि समग्र विकास है जिसमे हर नागरिक का उत्थान हो सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की विकसित भारत 2047 की संकल्पना को हम सबको साकार करना है। इसमे हर नागरिक, हर युवा पूरे उत्साह से योगदान देगा। प्रदेश के विकास में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई योजनाएं प्रारंभ की गई है। महिलाओं को समाज में सम्मान जनक स्थान दिलाने के लिए महतारी वंदन योजना जैसी अभिनव योजनाएं संचालित हो रही हैं।

करैत ने डसा, मरणासन्न मासूम को मिला नया जीवन

- **सांप के जहर से शरीर हो रहा था लकवाग्रस्त, 42 घंटे तक नहीं था होश, 3 दिन तक वेंटीलेटर पर रखा गया।**
- **एक हफ्ते तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में चला गहन इलाज।**
- **परिजनों ने कहा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मिले इलाज से बच्चे की मुस्कुराहट लौट आई।**

तीन तस्वीरों से समझा जा सकता है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार के प्रयास कैसे लोगों के जीवन में संजीवनी का काम कर रहे हैं। यह तस्वीर 3 साल के मासूम मानविक की है, जिसे जहरीले करैत सांप ने डस लिया था। मरणासन्न हालत में उसे मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में इलाज के लिए जब भर्ती कराया गया तो सांप का जहर पूरे शरीर में फैल चुका था उसकी स्थिति काफी गंभीर हो चुकी थी। शरीर में लकवे का असर दिख रहा था और सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी। शुरुआती 40 से 42 घंटे तक वह पूरी तरह से होश में नहीं आया था और उसे वेंटीलेटर में रखना पड़ा था। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रायगढ़ के डॉक्टरों ने एक हफ्ते तक गहन इलाज कर उसकी जान बचाई और नया जीवनदान दिया।

करैत भारत में पाए जाने वाले सर्वाधिक जहरीले सांपों में से एक है। इसका जहर न्यूरोटॉक्सिक होता है। जिससे नर्वस सिस्टम पर असर पड़ता है। सही समय पर इलाज न मिले तो जान बचने की गुंजाइश कम होती है। ऐसे में एक छोटे मासूम बच्चे की रायगढ़ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में मिले उचित इलाज से जान बचाई जा सकी। रायगढ़ के खरसिया ब्लॉक के औरदा गांव के निवासी तुलेश्वर चौहान के 3 साल के बेटे मानविक चौहान को सोते समय घर में सुबह पांच बजे के करीब जहरीले करैत सांप ने दाहिने हाथ की उंगली में काट लिया।

परिजन बच्चे को सिविल अस्पताल खरसिया लेकर गए। वहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर बच्चे को बेहतर ईलाज के लिए संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ में रेफर कर दिया गया। बच्चे को सुबह लगभग 8 बजे के आसपास संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ के आपातकालीन विभाग में अत्यंत गंभीर स्थिति में भर्ती कराया गया। बच्चे के शरीर में सांप का जहर फैल चुका था, बच्चे की आँखों की दोनों पलकों में लकवा मार चुका था, सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, मुँह से झाग आ रहा था, बच्चे के हाथ-पैर ठंडे पड़ गए थे एवं नाड़ी भी कमजोर हो रही थी। बच्चे को आपातकालीन विभाग में ही बाल्य एवं शिशुरोग विभाग के आपातकालीन ड्युटी में उपस्थित डाक्टरों द्वारा त्वरित ईलाज प्रारंभ कर चिकित्सकों की आपातकालीन टीम द्वारा आई.सी.यू. वार्ड में शिफ्ट किया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉ.एल. के. सोनी, विभागाध्यक्ष बाल्य एवं शिशुरोग के नेतृत्व में डॉक्टरों और स्टॉफ नर्सों की टीम के अथक प्रयासों से बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हुआ। बच्चे के शरीर में सांप के जहर का असर कम होने के उपरांत बच्चे को 3 दिवस पश्चात वेंटीलेटर से बाहर निकाला गया।

वेंटीलेटर से बाहर निकलने के पश्चात् बच्चे के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ। एक हफ्ते तक चले गहन इलाज से बच्चे के स्वास्थ्य में पूर्ण सुधार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दिया गया।

परिजनों ने कहा मेडिकल कॉलेज के इलाज से लौटी बच्चे की मुस्कुराहट

किसी भी माता पिता के लिए अपने बच्चे को जिंदगी और मौत से लड़ते देखना बहुत हृदयविदारक होता है। नन्हा मानविक अपने माता पिता की इकलौती संतान है। करैत के डसने से उसकी हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि शुरुआती 40 से 42 घंटे तक वह पूरी तरह से होश में नहीं था। लेकिन मेडिकल कॉलेज में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम के साथ सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होने से उसका बेहतर इलाज संभव हुआ। पिता तुलेश्वर चौहान कहते हैं कि डॉक्टरों के प्रयासों से उसके बच्चे की मुस्कान वापस लौट आई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य बजट को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। स्वस्थ छत्तीसगढ़ के लिए यह जरूरी है कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था कुशल चिकित्सकों के हाथों में रहे। लेकिन आज से 24 वर्ष पहले छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक शासकीय मेडिकल कालेज था जिसमें मात्र 100 एमबीबीएस की सीटें थीं। बीते 24 वर्षों में राज्य में शासकीय मेडिकल कालेजों की संख्या 1 से बढ़कर 10 हो गयी है और एमबीबीएस की

सीटें भी बढ़कर 1460 हो गयी हैं। शासकीय मेडिकल कालेजों में 291 स्नातकोत्तर की सीटें भी बढ़ी हैं जिससे राज्य को विशेषज्ञ चिकित्सक मिल रहे हैं। वो छत्तीसगढ़ जो 1 नवंबर 2000 को जन्म लेते समय बीमा: राज्य का दर्जा रखता था वो आज बीते जमाने की बात हो गयी है। वर्तमान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ये बात भली भांति समझती है कि भारत की तर्ज पर छत्तीसगढ़ को भी वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाना है तो स्वास्थ्य ही वो पहली कड़ी है जो राज्य को सक्षम और समृद्ध बनाएगा।

खुशी की बात ये है कि राज्य की वर्तमान सरकार इस पर लगातार प्रयास कर रही है और इसके बेहतर परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

अस्पताल अत्याधुनिक तकनीकों से लैस

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य सेवाओं को सजग रूप से आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। राज्य स्तर पर डीकेएस और मेकाहारा जैसे अस्पताल अत्याधुनिक तकनीकों से लैस हो रहे हैं तो वहीं संभाग स्तर पर सुपर स्पेशिलिटी अस्पतालों का कार्य निरंतर जारी है। इसी तरह से जिले और ब्लाक स्तर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर राज्य के लोगों की सेहत का विशेष ध्यान रख रहे हैं।

फराली पहाड़ी टिक्का

फराली पहाड़ी टिक्का एक स्वादिष्ट और स्वादिष्ट व्यंजन है जो व्रत रखने वाले या 'फराली' (उपवास) आहार का पालन करने वालों के लिए एकदम सही है। यह व्यंजन एक संतोषजनक और स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए पारंपरिक भारतीय मसालों के सार को एक अनोखे मोड़ के साथ जोड़ता है। यहां फराली पहाड़ी टिक्का पर एक नोट है:

फराली पहाड़ी टिक्का का मुख्य स्वाद मैरिनेड में निहित है, जो दही, ताजी जड़ी-बूटियों, मसालों और साइट्रस का एक मिश्रण है जो पकवान को स्वाद से भर देता है। सेंधा नमक, हिमालयी गुलाबी नमक और उपवास के अनुकूल मसालों जैसी सामग्रियों का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि आहार संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पकवान प्रामाणिक बना रहे।

फराली पहाड़ी टिक्का एक ऐसा व्यंजन है जो उपवास के दौरान आहार संबंधी प्रतिबंधों को पूरा करते हुए भारतीय उपमहाद्वीप की समृद्ध पाक विरासत को श्रद्धांजलि देता है। शब्द ष्फरालीष उन सामग्रियों को संदर्भित करता है जिन्हें कुछ उपवासों या धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान उपभोग करने की अनुमति है, और यह व्यंजन फराली ट्विस्ट के साथ पारंपरिक टिक्का व्यंजनों की एक रचनात्मक व्याख्या है।

इस व्यंजन का सितारा पनीर (भारतीय पनीर) या सब्जियाँ हैं जिन्हें स्वादिष्ट मिश्रण में मैरीनेट किया जाता है और फिर पूर्णता के लिए ग्रिल किया जाता है। मैरिनेड पनीर या सब्जियों को नरम बनाने में मदद करता है और साथ ही एक धुएँ के रंग का और सुगंधित स्वाद प्रदान करता है जो पारंपरिक टिक्कों की विशेषता है।

फराली पहाड़ी टिक्का में 'पहाड़ी' शब्द भारत के पहाड़ी क्षेत्रों को संदर्भित करता है, जो अपनी हरी-भरी हरियाली और ताजी जड़ी-बूटियों के लिए जाना जाता है।

मैरिनेड में धनिया और हरी मिर्च जैसी सुगंधित जड़ी-बूटियों का उपयोग पकवान में एक ताजगी और उत्साह जोड़ता है, जो ठंडी पहाड़ी हवा और हरे-भरे परिदृश्य की याद दिलाता है।

फराली पहाड़ी टिक्का का आनंद प्रोटीन से भरपूर नाश्ते के रूप में या पुदीने की चटनी, नींबू के टुकड़े और कटे हुए प्याज के साथ मिलाकर संपूर्ण भोजन के रूप में लिया जा सकता है। मैरिनेड के जीवंत स्वाद के साथ स्मोकी ग्रिल्ड पनीर या सब्जियों का संयोजन स्वाद और बनावट का एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाता है जो निश्चित रूप से आपके स्वाद को प्रभावित करेगा।

अंत में, फराली पहाड़ी टिक्का एक पाक कृति है जो उपवास अवधि के दौरान आहार प्रतिबंधों का सम्मान करते हुए भारत के स्वादों का जश्न मनाती है। अपने सुगंधित मैरिनेड, कोमल पनीर या सब्जियों और तीखे स्वाद के साथ, यह व्यंजन भारतीय व्यंजनों की रचनात्मकता और सरलता का प्रमाण है। चाहे व्रत के दौरान या विशेष व्यंजन के रूप में आनंद लिया जाए, फराली पहाड़ी टिक्का परंपरा और नवीनता के अपने अनूठे मिश्रण के साथ निश्चित रूप से एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगा।

फराली पहाड़ी टिक्का के लिए प्रो टिप्स

1. एक मिक्सर में 1/2 कप ताजा हंग कर्ड (चक्का दही) डालें। नियमित दही की तुलना में हंग कर्ड की स्थिरता अधिक गाढ़ी होती है। यह गाढ़ी बनावट मैरिनेड में सब्जियों और पनीर पर बेहतर कोटिंग बनाने में मदद करती है। यह कोटिंग स्वाद को गहराई तक प्रवेश करने की अनुमति देती है और यह सुनिश्चित करती है कि खाना पकाने के दौरान मसाले और हर्बस् बेहतर तरीके से चिपके रहें।

2. स्वादानुसार सेंधा नमक डालें। आयुर्वेद, एक पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणाली, संतुलन और प्राकृतिक अवयवों पर जोर देती है। सेंधा नमक को ष्सात्विकष् भोजन माना जाता है, जिसका अर्थ है कि यह शुद्धता, हल्कापन और कल्याण को बढ़ावा देता है। यह उपवास के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें अक्सर विषहरण और आध्यात्मिक सफाई शामिल होती है।

स्टार्टअप में एशिया में भारत अव्वल

> अमेरिका में हर तरफ भारतीय मूल के लोग छाए हुए हैं। स्टार्टअप क्षेत्र की बात करे तो अमेरिका में यूनिकॉर्न स्टार्टअप स्थापित करने वाले विदेशी मूल के लोगों में सबसे ज्यादा भारतीय हैं। यह खुलासा ताजा सूची में सामने आया है।

दरअसल, अमेरिका में तकरीबन 500 यूनिकॉर्न स्टार्टअप हैं और इनके संस्थापकों और सह-संस्थापकों की संख्या 1,078 है। इनमें करीब आधे ऐसे है, जो विदेशी है। इन संस्थापकों और सह-संस्थापकों में भारतीय मूल के लोगों की संख्या 90 है। वेंचर कैपिटल इनीशिएटिव के तहत यह जानकारी देने वाली लिस्ट स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस में प्रोफेसर इलया स्ट्रेबुलाएव ने तैयार की है।

नई लिस्ट के मुताबिक, अमेरिकी यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के संस्थापकों और सह-संस्थापकों में करीब 90 का जन्म भारत में हुआ है। इसके बाद इस्राइल का नंबर आता है, जहां जन्मे 52 लोग अमेरिका में यूनिकॉर्न स्टार्टअप स्थापित करने वालों में शामिल हैं। भारत और इस्राइल के बाद तीसरे नंबर पर कनाडा है, जहां जन्मे 52 लोगों के बनाए स्टार्टअप अमेरिक में यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल कर चुके हैं। इसके बाद ब्रिटेन (31), चीन (27), जर्मनी (18) और फ्रांस (17) का नंबर आता है।

एशिया में भारत अव्वल

महाद्वीपों के हिसाब से सूचीबद्ध करने पर एशिया में भारत (90) सबसे आगे हैं। इसके बाद इस्राइल (52), चीन (27) और ताइवान (12) टॉप पर हैं। वहीं, यूरोप में ब्रिटेन (31), जर्मनी (18), फ्रांस (17), रूस (13), यूक्रेन (12) और आयरलैंड (10) में सबसे ज्यादा अमेरिकी यूनिकॉर्न स्टार्टअप संस्थापकों का जन्म हुआ है।

अफ्रीका सबसे पिछड़ा

कोई भी अफ्रीकी देश ऐसा नहीं जिसने 10 का आंकड़ा पार किया है। इनमें सबसे आगे दक्षिण अफ्रीका (05) है। ब्राजील में जन्म लेने वाले नौ लोग अमेरिका में यूनिकॉर्न स्टार्टअप के संस्थापकों और सह-संस्थापकों में शामिल हैं।

नवाचार में आव्रजकों का अहम योगदान...

प्रोफेसर इलया स्ट्रेबुलाएव ने यह लिस्ट साझा करने के साथ लिखा, आव्रजक अमेरिका में नवाचार के लिहाज से बेहद अहम हैं। शोध दर्शाता है कि अमेरिका के अलावा कम से कम 65 ऐसे देश हैं, जहां जन्मे प्रवासी अमेरिका में कोई न कोई यूनिकॉर्न स्टार्टअप संचालित कर रहे हैं।

नोरा फतेही ने 'दिलबर' गाने के मेकर्स को लेकर किए खुलासे, बोली- मुझे छोटा ब्लाउज दिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही कई लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में अपने डांस सीक्वेंस से तहलका मचा चुकी हैं। एक्ट्रेस ने अपने डांस मूव्स से बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाया और आज इस आर्ट में उन्हें कोई टक्कर नहीं दे सकता है। बड़ी फिल्मों के बीच में एक्ट्रेस के आइटम सॉन्ग को तड़का लगाकर ऑडियंस को आकर्षित करने की कोशिश की जाती है।

नोरा ने फ्री में किया काम

अब हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने इंडस्ट्री के कई राज खोले। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 में राजीव मसंद को दिए इंटरव्यू में उन्होंने ने बताया कि जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते का पॉपुलर गाना दिलबर जिस पर आज पूरा बॉलीवुड थिरकता है उसके लिए उन्हें पैसे ही नहीं दिए गए थे। ये गाना काफी ज्यादा हिट था और यूट्यूब पर इसको लाखों बार देखा गया।

कर चुकी थीं भारत छोड़ने का फैसला

अपने स्ट्रगल के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया कि ये एक ऐसा समय था जब उनके पास खाने तक के लिए पैसे नहीं थे। नोरा ने बताया कि वो अपना सामान बांधकर इंडिया छोड़ने का फैसला कर चुकी थीं जब उनको श्दिलबरश्और 'कमरिया' गाने के लिए कॉल आया।

डांसर्स को खुद दी ट्रेनिंग

नोरा ने कहा कि उन्होंने पहले ष्कमरियाष के लिए शूटिंग की और उसके दो हफ्ते बाद ही षदिलबरष गाने के लिए काम किया। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें पैसे की सख्त जरूरत थी, लेकिन उस वक्त पैसे कमाने के लिए उन्होंने काम नहीं किया क्योंकि वो खुद को साबित करना चाहती थीं। नोरा ने बताया कि 'दिलबर' गाने को लिए उन्होंने सभी डांसर्स को एक हफ्ते तक खुद ट्रेनिंग दी ताकि स्टेप्स को मिलाया जा सके। इसी इंटरव्यू में नोरा ने बताया कि दिलबर गाने के लिए मेकर्स ने उन्हें बहुत ही छोटा ब्लाउज पहनने के लिए दिया था क्योंकि वो उन्हें सेक्सुलाइज करना चाहते थे। हालांकि एक्ट्रेस ने इसके लिए मना कर दिया था। नोरा ने मेकर्स से साफ कहा कि वो ये ब्लाउज नहीं पहन सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, श्मुझे पता है कि आप मुझे कामुक दिखाना चाहते हो, मैं समझती हूं ये सेक्सी गाना है लेकिन इसे अश्लील नहीं बनाना चाहती। फिर उन्होंने मेरे लिए नया ब्लाउज बनवाया।

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

~~140/-~~ 120/- हिमालयन पिंक सॉल्ट	~~130/-~~ 115/- आर्गेनिक गुड	~~130/-~~ 115/- आर्गेनिक गुड पाउडर	~~150/-~~ 135/- गुड चना	~~115/-~~ 94/- गुड खुरचन	~~140/-~~ 125/- गुड पान
~~140/-~~ 120/- गुड पाचक	~~175/-~~ 160/- टी मसाला	~~180/-~~ 160/- रेड राइस	~~180/-~~ 165/- ब्लैक राइस	~~125/-~~ 155/- ब्राउन राइस	~~210/-~~ 190/- रामजीरा राइस
~~160/-~~ 145/- दुबराज राइस	~~170/-~~ 155/- 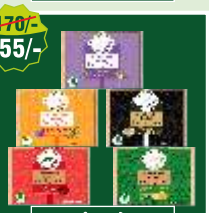 हर्बल सोप	~~560/-~~ 545/- नारियल तेल	~~110/-~~ 95/- लाल मिर्च पाउडर	~~720/-~~ 700/- गिर गाय A2 घी	~~175/-~~ 154/- आम का अचार
~~130/-~~ 115/- मिक्स दाल	~~125/-~~ 110/- मसूर दाल	~~110/-~~ 90/- चना दाल	~~130/-~~ 115/- मूंग दाल (बिना छिलका)	~~130/-~~ 115/- उड़द दाल (छिलका)	~~125/-~~ 110/- झुरगा
~~160/-~~ 145/- काबूली चना	~~145/-~~ 120/- राजमा जम्मू	~~110/-~~ 85/- मल्टी ग्रेन दलिया	~~140/-~~ 120/- मूंग दाल (छिलका)	~~80/-~~ 60/- सुजी	~~95/-~~ 75/- साबुत चना
~~110/-~~ 85/- गेंहू आटा	~~115/-~~ 90/- चना बेसन	~~140/-~~ 120/- उड़द दाल(बिना छिलका)	~~145/-~~ 130/- अरहर दाल	~~110/-~~ 85/- रागी फ्लोर	~~90/-~~ 77/- राइस पोहा

More Then 100+ Organic Grocery Products

Scan & Shop Now

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

ORGALIFE®

Haldi Jaggery

आयुर्वेद और दादी की सलाह...

हल्दी वाला दुध

रोज एक बार!

Orgalife Organic Store

Magneto Mall, Lower Basement Infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)

Order On ▶ www.orgalife.in Flipkart amazon | For any Queries/Suggestions : Call : +91 9090229033